epaper.dehatsandesh.com

3 अभाविप ने कश्मीर में किया शान-ए-तिरंगा यात्रा का आयोजन

5 हरियाणा की रमिता ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में बनाया क्वालीफिकेशन रिकार्ड

8 रामेश्वरम से जुड़ने वाले पुल का पुनर्निर्माण- नया पंबन रेलवे पुल ले रहा है आकार

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-30 | जम्मू तवी, शुक्रवार 31 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

विकसित भारत की ओर यात्रा पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रही है: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 30 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनवरी 2025 के अपने महीने भर के कार्यक्रमों की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा की हैं। मोदी पूरे जनवरी महीने कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हुए, जो विकसित भारत के निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी इस माह महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों, वैश्विक कूटनीतिक जुड़ावों और भारत के विकास और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत करने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

अपने कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2025 तस्वीरों में...। विकसित भारत की ओर यात्रा पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री ने जनवरी की शुरुआत 13 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का शुभारंभ करके की। उन्होंने नमो भारत ट्रेन में यात्रा भी की और स्कूली बच्चों से बातचीत की। बाद में, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया, जो एक ऐतिहासिक परियोजना है जो पर्यटन केंद्र और श्रीनगर के बीच साल भर संपर्क सुनिश्चित करेगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रीय राजधानी में भी व्यस्त कार्यक्रम रहा। उन्होंने दिल्ली में स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी के बदले मकान योजना के लाभार्थियों से भी मुलाकात की। 26 जनवरी को, उन्होंने दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का स्वागत किया। उन्होंने नौसेना के जहाजों का भी जलावतरण किया और युवा नेताओं से बातचीत की।

महाकुम्भ दुर्घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग ने कार्यभार संभाला

मुख्यमंत्री योगी ने कारणों की पड़ताल के लिए गठित किया है तीन सदस्यीय आयोग

लखनऊ, 30 जनवरी। प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर हुई दुर्घटना के कारणों की पड़ताल के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने कामकाज शुरू कर दिया है। आयोग के तीनों सदस्य गुरुवार को लखनऊ के जनपथ स्थित अपने कार्यालय पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हर्ष कुमार ने बताया, फ्क्योंकि जांच को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना है इसलिए हमने घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा, फ्हमारे पास एक महीने का समय है, लेकिन फिर भी हम जांच को तेजी से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आयोग के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वह जल्द ही प्रयागराज का दौरा करेंगे।

बता दें कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर स्नान के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ की स्थिति बन गई, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता वाले इस आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अफसर डी. के. सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी वी. के. गुप्ता भी शामिल हैं। आयोग को अपने गठन के एक महीने के अंदर मामले की जांच रिपोर्ट देनी होगी। इस सिलसिले में जारी अधिसूचना के मुताबिक आयोग भगदड़ के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेगा। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के सिलसिले में सुझाव भी देगा।

रहस्यमय परिस्थितियों में मिला 60 वर्षीय व्यक्ति का शव

डोडा, 30 जनवरी । डोडा जिले के परशोला नाला के पास रहस्यमय परिस्थितियों में 60 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। यह जानकारी गुरूवार को अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को एक व्यक्ति अपनी भेड़ों को चराने के लिए पास के जंगल में गया था। जब वह घंटों तक घर नहीं लौटा तो उसके परिवार और स्थानीय लोगों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। तलाश करने के कई घंटों के बाद देर शाम को उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में परशोला नाला के पास मिला। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस चौकी महल्ला से एक पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शव को अपने कब्जे में लेकर चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए ले गया।मृतक की पहचान नजीर अहमद (60) के रूप में हुई है जो डोडा के ब्रेसवाना निवासी महमूद हरगा का बेटा था। इस बीच पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

डोडा में आतंकियों की तलाश में अभियान शुरू

डोडा, 30 जनवरी। जम्मू संभाग के डोडा जिले में आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर सुरक्षाबलों ने गुरुवार को घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है।पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से आज सुबह दोरहू, बस्ती और भद्रवाह के आसपास के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानीय निवासियों ने इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी और इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद यह अभियान चलाया गया।

कठुआ शहर में प्रतिबंधित चाइनीस डोर की हो रही खुलकर बिक्री

कठुआ 30 जनवरी। कठुआ शहर में चाइनीस डोर जी का जंजाल बनी हुई है, आगामी 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाई जाएगा लेकिन इस पर्व पर पतंगबाजी के दौरान प्रतिबंधित चाइनीस डोर का खुलकर इस्तेमाल होने वाला है जिसे लेकर जिला प्रशासन ने अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की है। कठुआ शहर की कई दुकानों पर चाइनीस डोर खुलकर बिक रही है हालांकि पंजाब राज्य में इस डोर पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। जिसके चलते जम्मू कश्मीर के पड़ोसी राज्य पंजाब से भी लोग चाइनीस डोर खरीदने के लिए कठुआ शहर में आ रहे हैं, लेकिन शायद प्रशासन तक इसकी भनक नहीं है। गौरतलब हो कि चाइनीस डोर से पिछले कई वर्षों से बड़े-बड़े हादसे होते आए हैं, दो पहिया वाहन चालकों के गले में भी यह लिपट जाती है और कई हादसे होते हैं। वही आजाद पंछियों के लिए भी चाइनीस डोर खतरा बनी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल आने वाले 25 साल की नींव हैं : अमित शाह

नई दिल्ली, 30 जनवरी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली के एनडीएमसी क्न्5 न्वेंशन सेंटर में 'इंडियन रेनेसां ॽ द मोदी डिकेड' पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के ये 10 साल आने वाले 25 साल की अर्थात अमृत काल की नींव हैं। उन्होंने कहा कि ये 35 साल भारत को विश्व में सर्वप्रथम स्थान पर ले जाएंगे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर लाने का काम किया। आज लिखकर रख लीजिए 2027 में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले इस देश को

नीतिगत पक्षाघात के नाम से जाना जाता था, अब प्रदर्शन की राजनीति के नाम से जाना जाता है। जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण ये तीन नासूर हमारे लोकतंत्र को समाप्त कर दिए थे, मोदी ने 10 साल में प्रदर्शन की राजनीति को स्थापित करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि आज हम एक पुस्तक का विमोचन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के ये 10 साल एक युग के अंत और दूसरे युग की शुरुआत का प्रतीक बनने जा रहे हैं। जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा, तो प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल को उनके कटु से कटु आलोचकों को भी स्वर्णिम अक्षरों से ही लिखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 10 साल में अनेक प्रकार के अनेक सेक्टरों में सुधार भी हुए हैं और गति भी मिली है। हर सेक्टर का साइज और स्केल अनेक गुना बढ़ाने का काम किया गया है। कभी कोई विचार नहीं कर सकता था कि दुनिया की बड़ी महामारी कोरोना आए और दुनिया का सबसे अच्छा प्रबंधन भारत करे, ऐसा कोई सोच नहीं सकता था। हमने सबसे पहले वैक्सीन भी बनाई और दुनिया के 100 देशों में हमने वैक्सीन भी भेजी और वसुधैव कुटुम्बकम को चरितार्थ करने का काम मोदी सरकार ने किया।

सरकार ने आईएएस अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति के दिए आदेश

जम्मू, 30 जनवरी। जतिन किशोर आईएएस (एजीएमयूटी2020) उपराज्यपाल सचिवालय में अतिरिक्त सचिव जो जम्मू-कश्मीर में सूचना निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं को गंदरबल का उपायुक्त नियुक्त किया गया है।शिशिर गुप्ता आईएएस (एजीएमयूटी2020) अतिरिक्त उपायुक्त जम्मू को शोपियां का उपायुक्त नियुक्त किया गया है। उनकी जगह मोहम्मद शाहिद सलीम डार जेकेएएस को नियुक्त किया गया है जो आगे की नियुक्ति के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को रिपोर्ट करेंगेनीतीश राजोरा आईएएस (एजीएमयूटी2021), सब डिविजनल मजिस्ट्रेट, जम्मू (उत्तर) को स्थानांतरित कर सूचना निदेशक जम्मू-कश्मीर के पद पर तैनात किया गया है। राकेश कुमार, आईएएस (एजीएमयूटी2021) सब

डिविजनल मजिस्ट्रेट हीरानगर को स्थानांतरित कर अतिरिक्त उपायुक्त जम्मू के पद पर तैनात किया गया है। शुभंकर प्रत्यूष पाठक, आईएएस (एजीएमयूटी2022) सब डिविजनल मजिस्ट्रेट अखनूर जम्मू को उप डिविजनल मजिस्ट्रेट उरी बारामुल्ला के पद पर स्थानांतरित कर तैनात किया गया है। उनका स्थान जाविद अहमद राथर जेकेएएस लेंगे जो आगे की नियुक्ति के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को रिपोर्ट करेंगे।

एसपीओ के मानदेय के बारे में जेकेएनसी ने दिया स्पष्टीकरण

जम्मू, 30 जनवरी। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) ने विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के मानदेय से संबंधित हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट के बारे में स्पष्टीकरण जारी किया है। पार्टी ने कहा कि पार्टी और मुख्यमंत्री से जुड़े विभिन्न हैंडल से शेयर की गई यह पोस्ट उचित सत्यापन के बिना प्रकाशित की गई थी। एक आधिकारिक बयान में एनसी ने कहा कि एसपीओ के मानदेय से संबंधित एक हालिया पोस्ट पार्टी और मुख्यमंत्री से जुड़े विभिन्न हैंडल से डाली गई थी। यह पोस्ट नहीं डाली जानी चाहिए थी और बिना किसी सत्यापन या क्रॉस-चेक के डाली गई थी। जबकि हम मानदेय में वृद्धि के लिए जोरदार वकालत कर रहे हैं और हम इसे पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, यह अब तक नहीं हुआ है।

अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कठुआ 30 जनवरी । अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना के समग्र पर्यवेक्षण में पुलिस स्टेशन लखनपुर के अधिकार क्षेत्र बसंतपुर में दो अवैध शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 24 बोतलें शराब बरामद की है।

जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी पुलिस स्टेशन लखनपुर के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस चैकी बसंतपुर के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने बसंतपुर क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान कार संख्या पीबी35एजे-5046 को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान कार की डिकी से 24 बोतल जेके स्पेशल व्हिस्की से भरे दो कार्टून बरामद किए गए।

गांधी जी के आदर्श मानवता को सही रास्ता दिखाएंगे : उपराज्यपाल

जम्मू, 30 जनवरी । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराज्यपाल ने कहा कि सत्य और अहिंसा के सिद्धांत और मूल्य जिनके लिए गांधीजी हमेशा प्रतिबद्ध थे, समय और स्थान से परे हैं। वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवनकाल में थे। उन्होंने मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान और प्रत्येक भारतीय की भलाई के लिए हमारा मार्गदर्शन किया है।

गांधी ग्लोबल फैमिली द्वारा आयोजित शांति दूत सम्मेलन में भाग लेते हुए उपराज्यपाल ने सेना के बहादुरों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया और भारत की स्वतंत्रता के लिए खुद को समर्पित करने वाले सभी नेताओं, सेनानियों और शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी। उपराज्यपाल ने कहा कि आज हम जिस दुनिया में रह रहे हैं, वह संघर्षों का गवाह बन रही है। दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे आक्रमण के कारण समाज विघटन का सामना कर रहा है। ऐसे में शांति और अहिंसा की जरूरत गहराई

से महसूस की जाती है। मुझे विश्वास है कि इस स्थिति में बापू के आदर्श मानवता को सही रास्ता दिखाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा में विकास कार्यों का शिलान्यास किया

नौशेरा (राजौरी) 30 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने पीडब्ल्यूडी डाक बंगला, नौशेरा में कॉन्फ्रेंस हॉल के उन्नयन और पलाश नौशेरा के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी।

249.39 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से बनाए जाने वाले कॉन्फ्रेंस हॉल के उन्नयन का उद्देश्य क्षेत्र में कॉन्फ्रेंस और बैठक सुविधाओं में सुधार करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए, सुरिंदर चौधरी ने कुशल प्रशासन और बेहतर सेवा वितरण की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उन्नत सम्मेलन कक्ष आधिकारिक बैठकों, सार्वजनिक बातचीत और अन्य महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के लिए एक आधुनिक स्थल के रूप में काम करेगा। इसके अतिरिक्त, 107.48 लाख रुपये की अनुमानित लागत से किए जाने वाले पलाश नौशेरा पर रीमॉडलिंग कार्य का भी उपमुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया। परियोजना का लक्ष्य निवासियों को बेहतर वातावरण प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी और जन प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्होंने उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ दोनों परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के प्रति अपना समर्पण दोहराया।

कमजोर समूहों की पहचान करें, टीबी का शीघ्र पता लगाने के लिए नियमित परीक्षण करें : सकीना इत्तू

जम्मू 30 जनवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने उपायुक्तों से अपने संबंधित जिलों में कमजोर समूहों की पहचान करने और टीबी का शीघ्र पता लगाने के लिए इन स्थानों पर नियमित परीक्षण करने को कहा। मंत्री ने पूरे जम्मू-कश्मीर में 100-दिवसीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के कार्यान्वयन पर प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। बैठक में सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सभी जिलों के उपायुक्त, निदेशक वित्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ जम्मू, कश्मीर, निदेशक समन्वय नये मेडिकल कॉलेज, सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, सभी जिलों के सीएमओ और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, मंत्री ने संबंधित उपायुक्तों और संबंधित सीएमओ को विशेष रूप से गोल्ड जोन जिलों में परीक्षण और शीघ्र पता लगाने की गतिविधियों को तेज करने के लिए कहा ताकि वे भी टीबी मुक्त जिलों का दर्जा हासिल कर सकें। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला प्रशासकों को स्क्रीनिंग की आवृत्ति बढ़ाने, आक्रामक जनपहुंच कार्यक्रम आयोजित करने और बीमारी के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पीआरआई को शामिल कर सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने का भी निर्देश दिया।

मंत्री ने सभी जिलों में कमजोर समूहों की पहचान करने का भी आह्वान किया, चाहे वे टीबी मुक्त हों या नहीं। उन्होंने टीबी मुक्त घोषित जिलों में नियमित जांच का भी आह्वान किया ताकि वहां टीबी दोबारा न फैले। उन्होंने कहा कि पुनरावृश्रि को रोकने और उन्मूलन प्रयासों की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर परीक्षण और सक्रिय निगरानी आवश्यक है।

चिल्लई कलां के खत्म होने के साथ ही बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होने की संभावना

श्रीनगर, 30 जनवरी । चिल्लई कलां के खत्म होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होने की संभावना है। श्रीनगर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने आने वाले दिनों में बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है। 40 दिनों तक चली कठोर सर्दियों की अवधि जो आज समाप्त हो गई, बर्फबारी के दो संक्षिप्त दौरों को छोड़कर काफी हद तक शुष्क रही।

इस दौरान कश्मीर घाटी तथा लद्दाख में रात का तापमान हिमांक बिंदू से नीचे ही दर्ज किया गया। श्रीनगर में -1.5 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में -2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि गुलमर्ग -6.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। लद्दाख के लेह में -8.6 डिग्री सेल्सियस और द्रास में -7.9 डिग्री सेल्सियस का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। इसके विपरीत जम्मू में 9.1 डिग्री सेल्सियस और कटरा में 9.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार आज बादल छाए रहने की उम्मीद है, साथ ही आज दोपहर जम्मू और कश्मीर में व्यापक बारिश और बर्फबारी की संभावना है। शुक्रवार को मौसम सामान्य रूप से शुष्क और बादल छाए रहने का पूर्वानुमान है, साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। शनिवार को फिर से बारिश होने की संभावना है। बारिश का यह दौर 4 फरवरी तक जारी रहने वाला है जबकि 3 फरवरी को जम्मू-कश्मीर में व्यापक बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग ने निवासियों और यात्रियों को मौसम की स्थिति के बारे में अपडेट रहने की सलाह दी है, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में जहां बर्फबारी से परिवहन और दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है।

मौनी अमावस्या पर रेलवे ने प्रयागराज से 364 ट्रेनों का संचालन किया : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 30 जनवरी। मौनी अमावस्या के दिन संगम में पवित्र स्नान कर घर लौट रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने प्रयागराज के विभिन्न स्टेशनों से 364 आउटवर्ड ट्ड्रेनों का संचालन किया। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान एक दिन में चलाई गई ट्रेनों का यह नया रिकॉर्ड है। इसके साथ ही इस दौरान रेलवे द्वारा 77 इनवर्ड ट्रेनों का भी परिचालन किया गया। आउटवर्ड ट्रेनों में 142 नियमित और 222 महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में कहा कि मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज से 364 ट्रेनों का परिचालन किया गया। रेलवे के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की टीम रेल भवन स्थित वॉर रूम से पूरी स्थिति पर रियल टाइम नजर रख रही है, राज्य सरकार के साथ निरंतर समन्वय करके ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की उनके घर तक

सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ तथा तीनों रेलवे जोन के जीएम मेला प्रशासन और राज्य सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने संगम स्नान के लिए आए सभी श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया है। रेलवे ने यात्रियों के लिए बड़े होल्डिंग एरिया बनाए हैं, जहां वे बैठकर अपने क्षेत्र में ट्रेन की प्रतिक्षा कर सकते हैं। उसके बाद प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पर प्रस्थान करें।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रसार दिलीप कुमार ने बताया कि मौनी अमावस्या पर इनवर्ड एवं आउटवर्ड मिलाकर उत्तर मध्य रेल द्वारा 280 ट्रेनों का परिचालन किया गया जबकि पूर्वोत्तर रेलवे ने 73 ट्रेनों का तथा उत्तर रेलवे ने 88 ट्रेनों का परिचालन किया।

रह रही हैं घर से दूर, तो ऐसे सजाएं अपना कमरा

घर को तो आप सजाती ही होंगी, लेकिन अगर आप घर से दूर रह रही हैं तो अपने आशियाने को इस तरह सजाएं।

जब आप काम के सिलसिले में या पढ़ाई करने के लिए दूसरे शहर में जाती हैं तो आपको वहां पर घर से दूर किसी हॉस्टल के कमरे, पीजी या किराए के अपार्टमेंट में रहना पड़ता है। भले ही वह आपके लिए कुछ समय का ठिकाना हो, लेकिन फिर भी उसमें अपनेपन का अहसास होना बेहद जरूरी है। कुछ लड़कियों का तो घर से दूर नई जगह पर होमसिक फील करती हैं, ऐसे में वह अपनी पढ़ाई या काम में मन नहीं लगा पाती। इस समस्या का एक आसान तरीका है कि आप उस छोटे से आशियाने को अपने रंग में रंग दें।

जब बात किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने की बात आती है तो समस्या यह होती है कि आप उसे अपने मनमुताबिक रूप देना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर किसी दूसरे का घर होने के कारण आपके उपर बहुत सी बंदिशें होती हैं। आप कमरे का कलर अपनी पसंद का नहीं करवा सकतीं तो बहुत सी जगहों पर कील ठोकने और कुछ टांगने से भी मना किया जाता है। ऐसे में इन सभी लिमिटेशन का ध्यान रखते हुए आपको अपने कमरे को सजाना होता है। तो चलिए जानते हैं घर से दूर एक छोटे से घर को सजाने के कुछ आसान उपाय-

देखें कमरा

कमरे को सजाने से पहले जरूरी है कि आप पहले उसे अच्छे से देखें और समझें। इसका मतलब यह है कि कमरे को वास्तविकता में सजाने से पहले उसे अपने मन में सजाएं। इससे आपको समझ आएगा कि आपको कमरे को एक खूबसूरत लुक देने के लिए आपको किन चीजों की आवश्यकता होगी।

कम सामान

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल का कमरा सजाते समय कोशिश करें कि आप कम से कम सामान का इस्तेमाल करें। दरअसल, जब आप घर से दूर किसी जगह पर होते हैं तो वहां स्पेस कम होता है। इसके अलावा अगर आप पढ़ने के लिए गई हैं तो ज्यादा सामान रखने से आपका काफी सारा वक्त उसकी साफ-सफाई में ही निकल जाएगा और ज्यादा सामान की केयर करना भी कई बार मुश्किल होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप कम सामान में अपने घर या कमरे को खूबसूरत बनाएं।

बजट का ख्याल

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने के लिए किसी भी सामान को खरीदने से पहले बजट का ख्याल जरूर रखें। एक बात समझ लें कि आपको उस घर में कुछ वक्त के लिए रहना है और उसके बाद जब आप अपने घर वापिस लौटेंगी तो ढेर सारा सामान ले जाना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अगर आप ओवर बजट शॉपिंग करती हैं तो आपको अपनी जरूरी चीजों में कटौती करनी पड़ेगी, जो वास्तव में आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

पर्सनल टच

अगर आप सच में किसी दूसरे के घर को अपना सा बनाना चाहती हैं तो उसमें पर्सनल टच अवश्य दें। आप अपनी फैमिली की एक बड़ी सी फोटो दीवार पर लगा सकती हैं। इससे आपके अपने दूर होकर भी आपके करीब रहेंगे और सिर्फ एक फोटो से पूरा कमरा ही बदल जाएगा।

अपनाएंगी यह ट्रिक्स तो आपस में नहीं उलझेंगी केबल्स

हम सभी के घर में कई तरह की केबल्स होती हैं। एक ही घर में कई फोन होते हैं और हर फोन के लिए चार्जर होता है। ऐसे में इन चार्जर की केबल्स से लेकर लैपटॉप की केबल और आईपैड आदि की केबल्स घर को काफी मैसी बना देती हैं। इतना ही नहीं, फोन के लिए भी अलग से इयरबड के साथ केबल्स मिलती हैं। ऐसे में जब इन्हें एक साथ रखा जाता है या फिर चार्जिंग की जाती है तो यह केबल्स आपस में उलझ जाती हैं। कुछ लोग इन केबल्स को सुलझाने के लिए इन्हें कभी-कभी जोर से खींचते हैं। ऐसे में इन केबल्स को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, इस कारण यह जल्दी खराब हो जाती हैं या टूट जाती हैं, तो फिर आपको फिर से नई केबल्स खरीदनी पड़ती हैं। वहीं, अगर वर्क टेबल पर यह केबल्स आपस में उलझी हुई रखी हों तो इसका विपरीत असर आपके काम पर भी पड़ सकता है। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इन केबल्स या तारों को बार-बार उलझने से बचा सकते हैं-

बनाएं चार्जिंग स्टेशन

यह एक सिंपल और बेहतरीन तरीका है अलग-अलग केबल्स को आपस में उलझने से बचाने का। अगर आप चाहें तो घर पर ही पुराने कार्डबोर्ड या फिर लकड़ी की मदद से एक चार्जिंग स्टेशन तैयार कर सकते हैं। यह चार्जिंग स्टेशन ना केवल आपके लैपटॉप से लेकर फोन तक की चार्जिंग को अधिक कन्विनियंट बनाएगा, बल्कि इससे आपकी वर्क टेबल भी अधिक आर्गेनाइज्ड लगेगी। इतना ही नहीं, चूंकि आप हर केबल के लिए एक अलग चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे तो आपको बार-बार चार्जिंग केबल्स ढूंढने में भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

लें बॉक्स का सहारा

अगर आपके घर में तरह-तरह की कई केबल्स हैं और इसलिए आप चाहकर भी उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज नहीं कर पाती हैं या फिर वह इधर-उधर पड़ी रहती हैं और ऐसे में आपस में बार-बार उलझ जाती हैं। तो ऐसे में आप किसी पुराने बॉक्स का सहारा लें। आप कार्डबोर्ड की मदद से इसमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बनाएं। साथ ही इसे अधिक ब्यूटीफुल लुक देने के लिए आप इस पर कलर कर सकती हैं या फिर कलरफुल शीट को भी पेस्ट किया जा सकता है। इसके बाद आप इन कंपार्टमेंट में मार्किंग करें और इस तरह आप अलग-अलग केबल्स को रबर लगाकर इस बॉक्स में आसानी से रख सकती हैं।

पेपर रोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास स्पेस कम है और ऐसे में आप एक बिग साइज बॉक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं तो पेपर रोल का यूज भी किया जा सकता है। आप केबल्स को फोल्ड करके उस पर रबर लगा दें। इसके बाद पेपर रोल से उसे कवर कर दें। आप चाहें तो पेपर रोल के उपर भी एक रबर लगा सकती हैं। इसी तरह आप सभी केबल्स को रखें। एक छोटी सी ड्राअर में सभी केबल्स को आप आसानी से रख पाएंगी और वह आपस में टैंगल भी नहीं होंगी। (एक प्रोफेशनल की तरह करना है क्लिक तो इन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का लें सहारा)

बनाएं कलरफुल केस

अगर आप एक स्मॉल स्पेस में अपनी सभी केबल्स को टैंगल्स होने से बचाना चाहती हैं तो ऐसे में एक कलरफुल केस भी बनाया जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कॉर्ड आर्गेनाइजर केस आसानी से मिल जाएगा। जिसमें एक साथ कई केबल्स को रखने की सुविधा होती है। लेकिन अगर आप अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो घर पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप किसी पुराने लेदर के कपड़े पर इलास्टिक स्टिच करें। पहले दोनों एंड्स से इलास्टिक को स्टिच करने के बाद एक-एक इंच की दूरी पर स्टिच करती जाएं। इस तरह केबल्स रखने के लिए अलग-अलग सेक्शन तैयार हो जाएंगे।

स्मार्टफोन को तो सभी क्लीन रखते हैं, लेकिन क्या आप ने ईयरफोन के वायर पर मौजूद गंदगी को साफ किया। अगर नहीं तो यहां बताई गई तरीको को जरूर आजमाएं।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जो गंदी हो जाने के बावजूद भी हम उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। हालांकि, आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी-छोटी चीजों का ख्याल लोग नहीं रख पाते हैं।

जैसे ईयरफोन, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर लोग रोजाना करते हैं। गाना सुनना हो या फिर बात करनी हो, इसकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यही नहीं कई लोग इसे एक-दूसरे से एक्सचेंज भी करते हैं, जो कि पर्सनल हाइजीन के लिए बिल्कुल सही नहीं है। कुछ लोग ईयरफोन के रखरखाव का खास ख्याल नहीं रखते हैं। कुछ लोग इसे मोड़कर कहीं भी रख देते हैं, जिसकी वजह से धूल-मिट्टी चिपक जाती है। गंदा वायर और ईयरफोन देखने में अच्छे नहीं लगते हैं और पर्सनल हाइजीन के लिए भी सही नहीं है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिसकी मदद से आप वायर के साथ ईयरफोन को भी अच्छी तरीके से क्लीन कर सकती हैं।

गंदा हो गया है ईयरफोन का वायर तो उसे ऐसे करें क्लीन

ईयरफोन के वायर को ऐसे करें क्लीन

सबसे पहले इयरफोन वायर को क्लीन करने की आवश्यकता है। ध्यान रखें कि वायर को पानी में नहीं डालना है बल्कि एक कपड़े की मदद से पोंछते हुए इसे साफ करेंगे। इसके लिए एक बाउल में पानी लें और उसमें डिशवॉश लिक्विड और विनेगर(विनेगर का इस्तेमाल) मिक्स कर दें। अब इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर घोल तैयार करें। अब एक कपड़ा लें और उसे मिश्रण में डिप करें और ईयरफोन के वायर को पोंछें। ध्यान रखें कि एक बार पोंछने के बाद कपड़े के दूसरे साइड से इसे दोबारा पोंछें। इस दौरान पानी की एक भी बूंद ना स्पीकर और ना ही बड्स पर गिरनी चाहिए, वरना ईयर फोन खराब हो सकता है।

ईयरफोन बड्स को क्लीन करने का तरीका

बड्स की क्लीनिंग पानी या फिर किसी भी तरह के लिक्विड से नहीं की जा सकती है। एक बूंद भी अंदर जाने के बाद बड्स पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। इसके लिए ईयरबड्स लें और उसकी मदद से सफाई करें। इसके अलावा ऊपर वाले हिस्से को कपड़े से पोंछ दें। बड्स को क्लीन करते वक्त आप चाहें तो नेल पेंट रिमूवर (नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल) या फिर रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि आप ईयरबड्स की मदद से ही नेल पेंट रिमूवर और रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल करें।

हेडफोन या फिर ब्लूटूथ के वायर की सफाई

हेडफोन, ब्लूटूथ या फिर अन्य कोई वायर वाले गैजेट्स हैं, तो उन्हें हफ्ते में एक बार जरूर क्लीन करें। अगर आप इसे पानी या फिर अन्य लिक्विड वॉश से क्लीन नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ पेट्रोल की मदद से भी इसे क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए आप एक कपड़े में 5 से 6 बूंद पेट्रोल डालें और उसकी मदद से वायर को साफ कर दें। इयरफोन वायर और अन्य वायर वाले गैजेट्स को साफ करने का यह सबसे आसान और बेस्ट तरीका है।

कमरों में फैली तारों को छिपाने के लिए अपनाएं यह आसान हैक्स

किसी भी घर में इलेक्ट्रिसिटी से लेकर पानी की व्यवस्था करने के लिए कई तरह की तारों का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, घर में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का भी इस्तेमाल किया जाता है और उसके वायर भी कमरे में चारों तरफ नजर आते हैं। इनका इस्तेमाल करना घर में बेहद जरूरी होता है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह तारें आपके कमरे की खूबसूरती में एक धब्बे की तरह है।

आप भले ही कमरे को कितना भी खूबसूरती से सजाएं, लेकिन दीवार के चारों ओर तार फैले हुए नजर आते हैं तो यह काफी अजीब लगते हैं और फिर आपके कमरे को वह परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता, जो वास्तव में मिलना चाहिए। हालांकि आप अपने घर को वायर-फ्री तो नहीं कर सकतीं, लेकिन फिर भी अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसे में आप उन वायर्स को बेहद ही खूबसूरती से हाइड कर सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाले वायर्स को हाइड करने के कुछ आसान व इनोवेटिव तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

किताबों की लें मदद

अगर आपके टीवी के नीचे टेबल पर वायर नजर आ रही हैं तो इसके लिए आप किताबों की मदद ले सकती हैं। इसके लिए आप टीवी के नीचे की टेबल पर किताबें एक साथ रखें और उसके पीछे वायर हों। टेबल पर रखी किताबें देखने में भी अच्छी लगेंगी और किसी को यह पता भी नहीं चलेगा कि उसके पीछे वायर हैं। बेडरूम की दीवारों को सजाएं रोमांटिक अंदाज में

बनाएं कवर

अगर आप अपने कमरे में मौजूद वायर को आसानी से छिपाना चाहती हैं, साथ ही अपने कमरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं तो इसके लिए आप वायर्स के लिए कवर बनाएं। मसलन, आप एक बुक को बीच में से खाली करें और उसके उपरी कवर को वायर का कवर बनाएं। इसी तरह आप गिफ्ट बॉक्स को भी बतौर वायर कवर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस साल ये 7 इंटीरियर्स डिजाइन आपके घर को देंगे एक क्लासिक लुक

दें खूबसूरत लुक

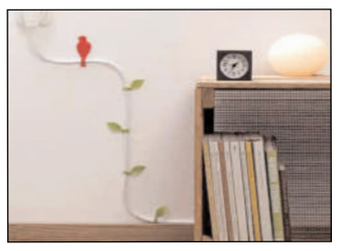

सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो कमरे में मौजूद वायर्स को ही रूम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं। इसके लिए आप पहले वायर्स को दीवार पर केबल वायर नेल्स की मदद से सिक्योर करें। इसके बाद आप हर केबल वायर नेल्स के साथ कोई भी खूबसूरत ड्राइंग बनाएं। आप दीवार पर पक्षी से लेकर खूबसूरत पत्तियां आदि बना सकती हैं।

स्मार्टली करें कवर

भले ही आपके कमरे में कितने भी वायर हों, आप उन्हें बेहद स्मार्ट तरीके से आसानी से कवर कर सकती हैं। मसलन, आप आईसक्रीम स्टिक या लकड़ी की मदद से टेबल के कोनों में एक कवर बना सकती हैं। यह देखने में भी अच्छा लगता है और इसके पीछे वायर्स को आसानी से रखा जा सकता है। इसी तरह अगर आप मल्टीप्लग का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके साइज के अनुसार उसके लिए एक कवर बनाएं। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कई घरेलू समस्याओं के लिए एक समाधान सिलिका जेल

अगर आपने ध्यान दिया होगा तो, आप जब भी नए बैग्स, जूते, पर्स या कपड़ा खरीदते हैं, तो उसमें आपको एक छोटा सा पैकेट जरूरत मिलता होगा। उस पैकेट को 'सिलिका जेल' कहा जाता है। अक्सर इस पैकेट को बेकार समझ के लगभग हर कोई फेंक देता है, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि आखिर इन सामानों में इस पैकेट को क्यूं रखा जाता है और इसका अन्य कामों में किस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप भी सिलिका जेल के फायदों के बार में जान जाएंगे तो आज के बाद से उसे फेंकने से पहले कई बार सोचेंगे, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको सिलिका जेल के उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप कई घरेलू समस्याओं को चुटकियों में दूर कर सकते हैं-

कपड़ों को रखता है सुरक्षित

ठण्ड के मौसम में अक्सर कपड़ों में नमी हो जाती है और कई बार कपड़ों से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में सिलिका जेल बहुत ही उपयोगी हो जाता है। आपको बात दें कि सिलिका जेल कपड़ों में मौजूद मॉइश्चराइजर को दूर रखता है और आपके कपड़े में होने वाली नमी और बदबू से भी दूर रखता है। आप जहां भी कपड़े रखते हैं वहां इस पैकेट को रख दीजिए, इससे आपका कपड़ा हमेशा फ्रेश रहेगा।

मेकअप बैग में भी रखें

महिलाएं भी इसको मेकअप बैग में रख सकती हैं। कई बार मेकअप रखे-रखे बैग में चिपचिपाहट होने लगता है, और कई बार मकेअप प्रोडक्ट्स भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए सिलिका जेल का इस्तेमाल कर सकती है। इसके उपयोग से मेकअप बैग के साथ-साथ आपका मेकअप सामान भी सुरक्षित रहेगा।

किताबों का रखता है ख्याल

अमूमन हम कई महीनों तक किताब को हाथ तक भी नहीं लगाते हैं और वो वहीं के वहीं रखे रहते हैं। कई महीनों तक रखे-रखे इन बुक्स में पीलापन नजर आने लगता है। इस पीलेपन को दूर करने के लिए आप सिलिका जेल को रख सकते हैं। बुक्स के साथ-साथ आप महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, गाड़ी या घर के पेपर आदि स्थानों पर भी इस जेल को रख सकते हैं।

बच्चा खाने-पीने में टालमटौल तो नहीं करता

वह समय बीत चुका है, जब पैरेन्ट अपने बच्चों को तोता-मैना की कहानी सुनाते हुए उन्हें खाना खिलाते थे। अब न तो उनके पास उन्हें कहानी सुनाने का टाइम है और न ही ढंग से खाना खिलाने का। वैसे आजकल बच्चे प्राय: खाने-पीने के मामले में बेहद चूजी होते जा रहे हैं। खाने को लेकर ये हमेशा नाक-भौं सिकोड़ते हैं। हालांकि यह आदत 2 से 10 साल तक के किशोर उम्र तक के बच्चों को ही रहती है। अगर ये आदतें आपके बच्चों में भी हैं तो पैरेन्ट्स होने के नाते आप सावधान हो जाएं! एक ताजा शोध के अनुसार बच्चों की इस आदत की वजह से उन्हें पेडिएट्रिकफीडिंग डिसऑर्डर की बीमारी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण बच्चों की खाने-पीने की आदतें बदलने लगती हैं, वे ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व वाले भोजन नहीं लेते, जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। खाने-पीने की यह आदत एक आम बीमारी है, जो बच्चों को अकसर ऐसे माहौल में हो जाती है, जहां उन्हें तरह-तरह की खाने की चीजें मिलती हैं।

हालांकि देखा गया है कि अधिकांश बच्चे बहुत कम खाना खाते हैं या अपनी मनपसंद की चीजें ही खाने में रुचि लेते हैं। जिसकी वजह से वह बिना पोषक तत्व वाले भोजन से ज्यादा कैलोरी लेते हैं। आजकल बच्चे घर में बनी या मार्केट की कुछ निश्चित फास्ट फूड ही लेना पसंद करते हैं, जो टेस्टी तो होते हैं, लेकिन न तो वे पौष्टिक होते हैं और न ही हेल्दी डाइट। जिसकी वजह से बच्चों को शारीरिक विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

मां है जिम्मेदार

बच्चों की इस आदत पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार इस आदत के लिए 80 फीसदी तक बच्चे की मां जिम्मेदार होती है। बच्चों की इस आदत की वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। बच्चों को पुरानी बीमारी लग सकती है। उन्हें मोटापा, खाने-पीने की आदतों में कमी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

रात में ही श्रद्धालुओं से फुल हो गई अयोध्या, स्नान के बाद शुरू हुआ राम मंदिर व हनुमान गढ़ी में दर्शन का सिलसिला

अयोध्या, 30 जनवरी। मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद शाम से ही श्रद्धालुओं के अयोध्या आने का शुरू हुआ सिलसिला गुरुवार दोपहर बाद तक जारी रहा। आलम यह रहा कि रातों-रात अयोध्या की सड़कें श्रद्धालुओं से खचाखच भर गईं। भोर होते ही जय श्रीराम के जयकारों से अयोध्या गुंजायमान हो गई। जानकारों के मुताबिक 96 घन्टे में करीब 65 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। उधर, बढ़ती भीड़ देखकर नगर के वरिष्ठ अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया। रातभर पैदल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर स्नान करने के बाद श्रद्धालु सीधे रामनगरी पहुंच रहे हैं। आंखों में श्रद्धा व सिर पर गठरी लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। भोर में चार बजे से सरयू के घाटों पर स्नान शुरू हो गया। इसके बाद श्रद्धालुओ ने हनुमानगढ़ी व राम मंदिर का रुख किया। रामपथ और भक्तिपथ पर श्रद्धालुओं का सैलाब देख हर कोई अचंभित दिखा। आराध्य के दर्शन पाने को श्रद्धालु देर रात तक कतार बद्ध दिखे। एक अनुमान के मुताबिक राममंदिर में रोजाना तीन लाख व हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु दर्शन को पहुंच रहे हैं। इसके लिए मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 18 घण्टे कर दिया गया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में जिला प्रशासन को समय-समय पर निर्देशित भी कर रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक श्रद्धालु की सेवा में जुटे हुए हैं। श्रद्धालुओं को राम जन्मभूमि परिसर में पुलिस की तरफ से पानी पिलाया जा रहा है। इसके अलावा सेहत का ख्याल रखने के लिए मंदिर परिसर में मेडिकल कैंप की भी व्यवस्था की गई है। राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी और वालंटियर श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात कर दिए गए हैं। अयोध्या आने वाले मुख्य मार्ग के थाने और चौकियों के साथ रेलवे से संपर्क कर श्रद्धालुओं की संख्या का पूर्वानुमान भी लगाया जा रहा है।

रामनगरी में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। गोंडा, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर और लखनऊ रोड होल्डिंग एरिया बना दिया गया है, ताकि भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को वहां रोका जा सके। वहीं केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात से बड़ी से संख्या में श्रद्धालु दर्शन को अयोध्या पहुंच रहे हैं। महाकुंभ से भारी संख्या में रेलमार्ग से भी अयोध्या में श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा शाम को रेलवे स्टेशन कैंट के आस-पास और गुरु गोविंद सिंह चौराहे पर लाउड स्पीकर के माध्यम से अपील की गई है कि वे रेलवे स्टेशन कैंट के निकट बने आश्रय स्थल में ही ठहरें। यह अनुरोध श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया।

विधायक ने जन शिकायत शिविर का आयोजन किया

जम्मू 30 जनवरी (हि.स.)। भाजपा नेता और पूर्वी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक युद्धवीर सेठी ने गुरूवार को पंडित प्रेम नाथ डोगरा भवन कच्ची छावनी जम्मू में एक जन शिकायत शिविर का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि जन सेवा और प्रभावी शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रशासन और लोगों के बीच की खाई को पाटने का काम जारी रखे हुए है। शिविर में जम्मू शहर के निवासियों की ओर से भारी प्रतिक्रिया देखी गई जो वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ अपने मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उत्सुक थे।

राशन वितरण, शिक्षा, पेंशन, लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, विद्युत विकास विभाग, राजस्व, बिजली आपूर्ति, पानी की कमी, सड़क बुनियादी ढांचे और अन्य विकास संबंधी चिंताओं से संबंधित मामलों पर अपनी शिकायतें प्रस्तुत करने के लिए व्यक्तियों और समूहों सहित विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने शिविर में भाग लिया। इसके अतिरिक्त कई नागरिकों ने प्रशासनिक ध्यान देने की आवश्यकता वाले व्यक्तिगत मुद्दे उठाए।

युद्धवीर सेठी ने उठाई गई चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और कई मुद्दों को मौके पर ही हल किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा लोगों के दैनिक संघर्षों को दूर करने के लिए समर्पित है खासकर जम्मू शहर में। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह के जन शिकायत शिविर यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि लोगों की आवाज़ सुनी जाए और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। सेठी ने कहा भाजपा आम आदमी की समस्याओं का समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम प्रशासन और जनता के बीच की खाई को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि पार्टी एकमात्र व्यवहार्य राजनीतिक ताकत है जो लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है और जम्मू-कश्मीर में तेजी से विकास सुनिश्चित कर सकती है।

नेकां नेता ने महाकुंभ में मची भगदड़ पर दुख जताया

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने महाकुंभ में मची भगदड़ पर गहरा दुख जताया है जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई और 60 लोग घायल हो गए। शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की। जारी एक बयान में गुप्ता ने सार्वजनिक सुरक्षा पर वीआईपी संस्कृति को प्राथमिकता देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महाकुंभ एक पवित्र समागम है जिसमें भारत और विदेश से लाखों लोग शामिल होते हैं। इसके लिए एक मजबूत सुरक्षा ढांचे की आवश्यकता होती है जो वीआईपी की सेवा करने के बजाय सभी श्रद्धालुओं की भलाई सुनिश्चित करता हो।

तत्काल निवारक उपायों का आह्वान करते हुए वरिष्ठ एनसी नेता ने अधिकारियों से भीड़ प्रबंधन में सुधार करने, पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने और भविष्य की त्रासदियों को रोकने के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने भगदड़ की गहन जांच की भी मांग की और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही की मांग की। गुप्ता ने उम्मीद जताई कि यूपी सरकार कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करेगी और आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करेगी।

भाजपा पर राज्य के दर्जे पर केंद्र को गुमराह करने का लगाया आरोप

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने राज्य के दर्जे की बहाली के मुद्दे पर केंद्र को गुमराह करने के लिए जम्मू-कश्मीर में भाजपा नेतृत्व की कड़ी आलोचना की है और इसे लोगों के जनादेश और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात बताया है। वीरवार को जारी एक प्रेस बयान में गुप्ता ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया जिससे उनके अनुसार विकास में ठहराव आया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जम्मू-कश्मीर पहले से ही बुनियादी ढांचे, रोजगार और आर्थिक विकास में पिछड़ रहा है और भाजपा के भ्रामक दृष्टिकोण ने स्थिति को और खराब कर दिया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग राज्य के दर्जे की जल्द बहाली की भारी मांग कर रहे हैं लेकिन भाजपा जन कल्याण पर अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर के नागरिकों की चिंताओं को बढ़ाने के बजाय स्थानीय भाजपा नेतृत्व केंद्र सरकार के मुखपत्र के रूप में काम कर रहा है, केंद्र सरकार को गुमराह कर रहा है और राज्य का दर्जा देने में देरी कर रहा है। गुप्ता ने पिछले एक दशक में भाजपा की शासन विफलताओं की भी आलोचना की, बढ़ती बेरोजगारी, खराब बुनियादी ढांचे और बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी सेवाओं की बदतर स्थिति की ओर इशारा किया।

व्यक्तित्व विकास और अंग्रेजी बोलने की कार्यशाला आयोजित की

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय सेना ऑपरेशन सद्भावना के तहत राजौरी जिले के थानामंडी के युवाओं के लिए व्यक्तित्व विकास और अंग्रेजी बोलने की कार्यशाला आयोजित कर रही है। 20 जनवरी से 15 फरवरी तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य संचार कौशल को बढ़ाना, आत्मविश्वास को बढ़ावा देना और प्रतिभागियों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता के लिए तैयार करना है। 25 स्थानीय युवाओं की सक्रिय भागीदारी के साथ कार्यशाला व्यक्तित्व विकास और अंग्रेजी बोलने के कौशल को जोड़ती है जो आत्मविश्वास और सकारात्मक आत्म-छवि बनाने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। अंग्रेजी दक्षता से जुड़े बढ़ते करियर के अवसरों को पहचानते हुए भारतीय सेना ने प्रतिभागियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए आवश्यक मजबूत पारस्परिक कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया है।

8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया तेज करने की अपील

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। नेशनल मजदूर कांफ्रेंस (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने आज वित्त मंत्री से 8वें वेतन आयोग के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों की तत्काल नियुक्ति का आग्रह किया, जिसके गठन को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने इसे वेतनभोगी वर्ग व पेंशनभोगियों के लिए स्वागत योग्य कदम बताया। शास्त्री ने कहा, चूंकि 8वें वेतन आयोग के लागू करने की तिथि 1 जनवरी 2026 है, इसलिए उम्मीद है कि आयोग तय समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट पूरी कर लेगा, ताकि 8वें वेतन आयोग का लाभ जनवरी 2026 से लाभार्थियों तक पहुंच सके। आज एनएमसी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए शास्त्री ने कि नए 8वें वेतन आयोग के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों की नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी करना समय की मांग है। 2016 में लागू किए गए 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों का जिक्र करते हुए शास्त्री ने डीए के 50 प्रतिशत से अधिक होने पर 50 प्रतिशत डीए को मूल वेतन या पेंशन में मिलाने के प्रावधान पर प्रकाश डाला।

अभाविप ने कश्मीर में किया शान-ए-तिरंगा यात्रा का आयोजन

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कश्मीर ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और समुदायों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कश्मीर में शान-ए-तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। रैली टीआरसी चौक से शुरू हुई और ऐतिहासिक लाल चौक पर समाप्त हुई। यात्रा ने राष्ट्र विरोधी तत्वों को एक कड़ा संदेश दिया कि अभाविप भारत माता की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए दृढ़ है। अभाविप एनईसी सदस्य अकील अहमद तांत्रे ने कहा अभाविप को शान-ए-तिरंगा यात्रा आयोजित करने पर बहुत गर्व है जो राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बताते चलें कि अभाविप का जम्मू और कश्मीर में तिरंगा यात्रा आयोजित करने का लंबा इतिहास रहा है। 1990 के दशक की शुरुआत में संगठन ने ऐतिहासिक चलो कश्मीर मार्च का नेतृत्व किया, जिसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से 10,000 से अधिक छात्रों ने लाल चौक पर तिरंगा फहराने में भाग लिया। 2021 से अभाविप कश्मीर में वार्षिक तिरंगा रैलियों का आयोजन कर रहा है जिसमें 26 जनवरी, 2022 को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुआ जब गुप्कर रोड से लाल चौक तक 110 फुट लंबी तिरंगा यात्रा आयोजित की गई जो अपनी तरह का पहला ऐसा आयोजन था।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने ऋषि अगस्त्य की चिरस्थायी विरासत पर संगोष्ठी का आयोजन किया

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व में - ऋषि अगस्त्य- मंत्र द्रष्टा - पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों में ऋषि के योगदान और आधुनिक समय में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी काशी तमिल संगमम के बैनर तले आयोजित की गई थी जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में परिकल्पित राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने और समकालीन वैज्ञानिक विचारों के साथ प्राचीन ज्ञान को जोड़ने वाली एक पहल है।

मुख्य भाषण देते हुए प्रसिद्ध वैज्ञानिक और सीएसआईआर-एनआईएससीएआईआर के पूर्व निदेशक प्रो. मनोज कुमार पटैरिया ने वैदिक शास्त्रों, भाषा विज्ञान, सिद्ध चिकित्सा और प्राचीन विज्ञानों पर ऋषि अगस्त्य के गहन प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने तमिल व्याकरण में अगस्त्य की अग्रणी भूमिका और काशी के साथ उनके गहरे संबंध के बारे में विस्तार से बताया। प्रो. पटैरिया ने विद्वानों को वैज्ञानिक तरीकों से प्राचीन भारतीय ज्ञान का पता लगाने और उसे मान्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डीन छात्र कल्याण प्रो. रितु बख्शी ने काशी तमिल संगमम पहल की शुरुआत की और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऋषि अगस्त्य के योगदान का अध्ययन उत्तर-दक्षिण सांस्कृतिक विभाजन को पाटने और एनईपी 2020 के अनुरूप समग्र शिक्षा को समृद्ध करने में मदद कर सकता है। चर्चा में हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शशिकांत मिश्रा ने साहित्य, चिकित्सा और आध्यात्मिक दर्शन में ऋषि अगस्त्य के योगदान पर प्रकाश डाला।

जेयू में बी.एड के नए बैच के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) ने बी.एड छात्रों (2024-2026) के नए बैच के स्वागत के लिए एक शानदार फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन निदेशक प्रो. पंकज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया। समारोह की शुरुआत बी.एड कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसपाल सिंह और संकाय सदस्यों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई।

जम्मू में राष्ट्रीय डोगरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) ने जम्मू के अभिनव थिएटर में भव्य राष्ट्रीय डोगरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डोगरी साहित्य की समृद्धि और इसकी स्थायी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने और उसका जश्न मनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। सम्मेलन की अध्यक्षता डोगरी साहित्य के दिग्गज पद्मश्री प्रोफेसर ललित मगोत्रा ने की और इसमें जम्मू प्रांत और पूरे भारत के प्रतिष्ठित कवियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए जेकेएएसीएल की सचिव हरविंदर कौर ने डोगरी भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में डोगरी के भाषाई और सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया और डोगरा समुदाय की विरासत को दस्तावेज करने के लिए पुस्तकों, पत्रिकाओं और शब्दकोशों के प्रकाशन में जेकेएएसीएल के चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। अपने स्वागत भाषण में जेकेएएसीएल जम्मू के मंडल प्रमुख डॉ. जावेद राही ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य कविता के माध्यम से अखंडता, विविधता और एकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि टैगोर हॉल, श्रीनगर में एक कश्मीरी मुशायरा आयोजित किया जा रहा है। साथ ही पंजाबी, गोजरी और पहाड़ी में आगामी साहित्यिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

वहीं कार्यक्रम की शुरुआत एक सम्मान समारोह के साथ हुई जहाँ भाग लेने वाले कवियों को डोगरी साहित्य में उनके योगदान के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में शॉल, स्मृति चिन्ह और जेकेएएसीएल की ओर से प्रकाशनों से सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में प्रख्यात कवियों ने भाग लिया, जिनमें पद्मश्री प्रोफेसर ललित मगोत्रा, पद्मश्री मोहन सिंह, दर्शन दर्शी, कुलदीप अभिशाप, डॉ. ओम गोस्वामी, ओम प्रकाश शर्मा विद्यार्थी, इंद्रजीत केसर, ठाकुर खजूर सिंह तथा अन्य मौजूद रहे। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में पंजाब और दिल्ली के कवियों का स्वागत भी किया गया

शहीदों के सम्मान में मीरपुर शहीदी स्मारक के जीर्णोद्धार की पहल की

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। वीर शहीदों की विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भाजपा नेता और जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने वीरवार को ऐतिहासिक मीरपुर शहीदी स्मारक के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की पहल की। इस पहल का उद्देश्य वीर नायकों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदानों को श्रद्धांजलि देना और यह सुनिश्चित करना है कि उनकी स्मृति भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए अरविंद गुप्ता ने कहा कि मीरपुर के शहीदों का इतिहास में एक प्रतिष्ठित स्थान है क्योंकि उन्होंने 1947 की दुखद घटनाओं के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था जब आक्रमणकारी सेनाओं द्वारा मीरपुर में हजारों निर्दोष नागरिकों का नरसंहार किया गया था। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए उनका अटूट साहस और निस्वार्थता देशभक्ति की अदम्य भावना का प्रतीक है। मीरपुर शहीदी स्मारक उनकी बहादुरी की याद दिलाता है और इसका जीर्णोद्धार यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है कि उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि इस

शिक्षा और सशक्तिकरण पर प्रेरक संवादात्मक सत्र आयोजित किया

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। सामाजिक उत्थान और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल में राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन ने पुंछ के ग्रीन वैली स्कूल, मेंढर में एक ज्ञानवर्धक संवादात्मक सत्र आयोजित किया। 47 छात्रों और सात संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए इस कार्यक्रम का नेतृत्व मेंढर टाउन कंपनी कमांडर ने किया और सफल भविष्य को आकार देने में शिक्षा, लक्ष्य-निर्धारण और खेल की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया।सत्र का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों, शिक्षा के महत्व और समावेशिता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसमें ज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया गया। कंपनी कमांडर ने एक प्रेरक भाषण दिया जिसमें बताया कि शिक्षा किस तरह से व्यक्तिगत सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति की नींव के रूप में काम करती है। उनके भाषण के बाद एक आकर्षक चर्चा हुई जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और व्यक्तिगत विकास और सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

कंपनी कमांडर ने कहा शिक्षा के माध्यम से युवा दिमागों को सशक्त बनाना एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज की नींव है। राष्ट्रीय राइफल्स मेंढर के बच्चों की अपार क्षमता को उजागर करने वाली पहलों के लिए समर्पित है। इस पहल को छात्रों और शिक्षकों से जबरदस्त सराहना मिली।

मनरेगा मजदूरों के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस पर जताया एतराज

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। नेकां के वरिष्ठ नेता और चेनाब वैली जोन के प्रवक्ता अजीत भगत ने वित्तीय वर्ष के अंत में मनरेगा जॉब कार्ड धारकों के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने के ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) के फैसले का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कदम से मजदूरों पर बुरा असर पड़ेगा और कई परिवार अपने सही रोजगार से वंचित हो जाएंगे। भगत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक परिवार को मनरेगा जॉब कार्ड जारी किया जाता है, जिससे उन्हें सालाना 100 दिन काम करने का अधिकार मिलता है। हालांकि बायोमेट्रिक अटेंडेंस की शुरुआत से अब परिवार के एक ही सदस्य को रोजाना उपस्थित रहना पड़ता है, जिससे अन्य लोगों के लिए काम में योगदान देना अव्यावहारिक हो जाता है। उन्होंने बताया कि मार्च में वित्तीय वर्ष के खत्म होने के करीब पहुंचने के साथ ही कई जॉब कार्ड धारकों ने ग्राम सभाओं में उठाई गई मांगों के अनुसार अपना 80 प्रतिशत काम पहले ही पूरा कर लिया है। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले कुछ महीनों में उन्हें 100 दिन का काम पूरा करने के लिए मजबूर करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और यह जबरन मजदूरी के समान है। एनसी नेता ने सरकार से इस आदेश को वापस लेने का आग्रह किया और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और मुख्य सचिव से हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। उन्होंने किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों के गरीब श्रमिकों के लिए न्याय की मांग की, उनके अधिकारों की रक्षा करने और मनरेगा दिशानिर्देशों के निष्पक्ष कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

UT of J&K
OFFICE OF THE CHIEF HORTICULTURE OFFICER SAMBA
Block I, 2nd Floor, District Administrative Complex, Nandani Hills Samba
(Email ID. chosambahorti@gmail.com)

Sub: Quotation Notice.

Quotation Notice

Quotations are invited from registered firm/agencies/Nursery growers for the supply of below mentioned items for further use in departmental nurseries .

S.No.	Particulars	Quantity/ specifications
1.	Quince Seedling	Pencil thickness Graftable
2.	Apricot Seedling	Pencil thickness Graftable
3.	Apple Seedling	Pencil thickness Graftable/Budable
4.	Moss Grass	Suitable for using during Layering

Terms and Conditions:-
1) The quotation should reach this office within 7 days from the date of publication of notice.
2) There should no cutting/overwriting of rates mentioned on the quotation.
3) The payment shall be made only after receiving the completesupply as per supply ordered for.
4) The material supplied shall be checked by Committee before passing the bills .
5) The supply should be made FOR Chief Horticulture Officer Samba.
6) Rates should be quoted inclusive of all taxes.

No:CHOS/SK/24-25/2545-46 Dated:29-01-2025

DIP/J-9683/24
Dtd: 30-1-2025

Sd\-
Chief Horticulture Officer
Samba

संपादकीय

बचकाना हरकत!

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ काम करने वाले विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के लिए यह बेहद निराशाजनक दिन रहा, क्योंकि वे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अक्षमता के कारण खुद को धोखा और अपमानित पाते हैं। उनके नेतृत्व में, ऐसा लगता है कि सरकार और उनकी पार्टी दोनों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जल्दबाजी में कुछ भी पोस्ट किया जा सकता है, बिना सटीकता या उन लोगों के जीवन पर पड़ने वाले परिणामों की परवाह किए।

एसपीओ के मानदेय में वृद्धि के बारे में भ्रामक जानकारी पोस्ट करने के मामले में सीएम द्वारा दिखाई गई जिम्मेदारी की कमी, अस्थायी कर्मचारियों के रूप में बल में सेवारत समर्पित कर्मियों का अपमान करने से कम नहीं है और वह भी बहुत कम भत्ते और प्रोत्साहन के साथ।

यह वास्तव में एक गंभीर गलती है कि किसी तरह केंद्र शासित प्रदेश के मुखिया की नाक के नीचे मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी - एनसी दोनों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने झूठा दावा किया कि एसपीओ का मानदेय बढ़ा दिया गया है।

मामले को और भी बदतर बनाने के लिए, पोस्ट को जल्दबाजी में हटा दिया गया और स्पष्टीकरण के साथ बदल दिया गया, जिसमें बताया गया कि जानकारी बिना सत्यापन के साझा की गई थी। यह पराजय शासन, विश्वसनीयता और इस तरह की गलत सूचना के लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में गंभीर सवाल उठाती है।

जो बात परेशान करने वाली है वह यह है कि इस चूक से जो लोग प्रभावित हुए, वे पहले से ही निराश लोग थे जो जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में काम करते हैं, अक्सर कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में क्योंकि कथित तौर पर उनमें से लगभग 500 ने पिछले दो दशकों में न्यूनतम भत्ते और अनिश्चित भविष्य का सामना करने के बावजूद आतंकवाद से संबंधित अभियानों में सर्वोच्च बलिदान दिया है।

यह कल्पना करना भी दु:स्वप्न है कि सीएम के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने एसपीओ के मानदेय में बढ़ोतरी की पुष्टि करने के बाद इसे बेशर्मी से हटा दिया है और मनमाने ढंग से स्पष्टीकरण दिया है कि यह केवल एक 'अपरिपक्व और गैर-पेशेवर' हैंडलर द्वारा असत्यापित पोस्ट था, जिसे जम्मू-कश्मीर के शीर्ष सोशल मीडिया हैंडल को संभालने का काम दिया गया था।

कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि इस पूरे मामले में अपरिपक्व और गैर-पेशेवर कौन है। एसपीओ जिस भावनात्मक सदमे से गुजर रहे हैं, वह पूरी तरह से समझ से परे है और इस निर्दयी घटना और उनकी पार्टी की ओर से की जा रही बेशर्मी के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अलावा किसी और को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

जम्मू-कश्मीर के लोग इससे बेहतर के हकदार हैं, क्योंकि मौजूदा हालात न केवल निराशाजनक हैं, बल्कि निराशाजनक भी हैं।

कैलाश मानसरोवर : समझदारी दिखाएंगे भारत-चीन?

-कमलेश पांडेय

साल 2025 की गर्मियों में भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा एक बार फिर शुरू हो जाएगी। दोनों देशों के बीच इस यात्रा को लेकर दोबारा सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। वहीं, विगत पांच वर्षों से थमी हुई इस यात्रा को पुन: शुरू करने के लिए दोनों देश डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करने को लेकर भी तैयार हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, एक द्विपक्षीय बैठक में इस आशय की सहमति बनी है।

हालांकि, कैलाश मानसरोवर का जिक्र होते ही सबसे पहले हर किसी के मन में यही सवाल उठता है कि कैलाश मानसरोवर किसका है? जब भगवान शिव भारतीयों के देवाधिदेव महादेव हैं तो फिर यह पुण्यभूमि तिब्बतियों/चीनियों की कैसे हो गई? क्या तिब्बत/चीन ने इस पर जबरन कब्जा किया है? आखिर इससे जुड़ी कैलाश मानसरोवर की वह क्या कहानी है, जिसपर इतिहासकारों और विद्वानों के अलग-अलग आलेख उपलब्ध हैं।

वहीं, लोगों के मन में यह विचार पैदा हो रहा है कि यदि कैलाश-मानसरोवर की चीन द्वारा जबरिया परिवर्तित स्थिति को पुन: बदलने के लिए भारत सरकार ने समय रहते समुचित कदम नहीं उठाए तो भविष्य में रामजन्म भूमि आंदोलन की तरह हिंदुओं की जनभावना भड़केगी और चीनी कब्जे से इस पुण्यभूमि को मुक्त कराने के लिए देशव्यापी/विश्वव्यापी अभियान चलाया जाएगा। इससे यह पावन क्षेत्र एशिया का दूसरा येरुशलम बन जाएगा! क्योंकि इस पवित्र भूमि से न केवल हिंदुओं बल्कि भारतीय जैनियों-बौद्धों की भी जनभावनाएं जुड़ी हुई हैं।

शायद इसी नजरिए से बौद्ध मतावलंबी देश चीन ने भी इस पर कब्जा जमाया है, जिससे भारतीय हिंदुओं-जैनियों में व्यापक रोष देखा-सुना जाता है। बता दें कि भारत के पूर्व राजदूत पी स्टोबदान ने अपने एक आलेख में लिखा है कि कैलाश मानसरोवर और इसके आसपास का इलाका 1960 के दशक तक भारत के अधिकार क्षेत्र में आता था। लेकिन उसके बाद तत्कालीन भारत सरकार की कमजोरी का फायदा उठाते हुए चीन ने इस पर कब्जा कर लिया। बता दें कि 1959 में पहली बार चीन ने अपने नक्शे में सिक्किम, भूटान से लगते कैलाश मानसरोवर के बड़े हिस्से को अपने अधिकार क्षेत्र में दिखाया था। हालांकि तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने संसद के बाहर और भीतर इसका जोरदार विरोध दर्ज कराया।

इस बारे में पूर्व राजदूत स्टोबदान ने लिखा है कि नेहरू ने ये जमीन भले चीन को सौंपी न हो लेकिन वो इसे बचा नहीं पाए। साथ ही वह चीन को इस हरकत से रोक नहीं पाए। जबकि 1961 की आधिकारिक रिपोर्ट में कैलाश के पास के क्षेत्रों पर भारत के ऐतिहासिक, प्रशासनिक और राजस्व अधिकारों का पूरा विवरण दिया गया था। चीन ने तब इसका विरोध नहीं किया था। वहीं, 1947 में जम्मू-कश्मीर रियासत से किए गए समझौते में मेन्सर इलाके को चीन को दिए जाने का जिक्र भी नहीं है। मेन्सर इलाके पर दावे को लेकर कोई कानूनी हल नहीं हुआ है।

समझा जाता है कि तब से इस कैलाश पर्वत को गंवाने को लेकर हिंदुओं, जैनियों व बौद्धों के मन में कसक है। सभी इसे पुन: पाने को लेकर अपने अपने स्तर से सक्रियता दिखाई है। जनजागृति हेतु अंदरूनी तैयारियां भी चल रही हैं। इसलिए कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि कैलाश मानसरोवर क्षेत्र एशिया का दूसरा यरूशलेम बन सकता है क्योंकि जिस तरह से यरूशलेम पर कब्जे को लेकर यहूदी-ईसाई-इस्लाम के बीच अनवरत संघर्ष जारी है, कुछ वैसा ही संघर्ष भविष्य में कैलाश मानसरोवर को लेकर शुरू हो सकता है जो कि हिंदुओं-जैनियों-बौद्धों के प्राचीनतम श्रद्धा केन्द्रों में शुमार किया जाता है।

पौराणिक धर्मग्रंथों के मुताबिक, कैलाश पर्वत हिंदुओं के लिए भगवान शिव का पवित्र निवास है। जबकि बौद्ध धर्म में कैलाश पर्वत को कांग रिनपोछे यानी बर्फ के अनमोल रत्न के रूप में नवाजा जाता है, जिसे ज्ञान और निर्वाण की प्राप्ति से जुड़ा एक पवित्र स्थल माना जाता है। बौद्ध धर्म में कैलाश पर्वत को मेरु पर्वत के नाम से जाना जाता है और इसे डेमचोक का निवास स्थान माना जाता है। वहीं, जैनियों के लिए कैलाश पर्वत को अष्टपद के रूप में जाना जाता है। यह उनके पहले तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ से जुड़ा हुआ है। यह आध्यात्मिक जागृति और जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति के स्थान के रूप में महत्व रखता है।

वहीं, महाकवि माघ की रचना में भी कैलाश का जिक्र मिलता है। महाकवि माघ की लिखी शिशुपालवधम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग में कैलाश का जिक्र मिलता है। बता दें कि भगवान शिव और जैनियों के भगवान आदिनाथ के कारण ही संसार के सबसे पावन स्थानों में कैलाश पर्वत गिना जाता है। दरअसल, कैलाश पर्वत को भगवान शिव का घर कहा गया है, जहां बर्फ में भगवान महादेव तप में लीन बेहद शांत और निश्चल हैं। कैलाश पर्वत के बारे में संस्कृत साहित्य के कई काव्यों में जिक्र मिलता है।

वहीं, पी स्टोबदान के मुताबिक, लद्दाख के राजा त्सावांग नामग्याल का शासन क्षेत्र कैलाश मानसरोवर के मेन्सर नामक जगह तक था। ये पूरा इलाका भारत, चीन से लेकर नेपाल की सीमा तक फैला था। 1911 और 1921 की जनगणना में कैलाश मानसरोवर वाले इलाके के मेन्सर गांव में 44 घर होने की बात सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है। हालांकि, 1958 के जम्मू-कश्मीर समझौते के मुताबिक मेन्सर चीन के कब्जे में चला गया। क्योंकि यह इलाका चीन के कब्जे वाले लद्दाख तहसील के 110 गांवों में शामिल था।

वहीं, कैलाश-मानसरोवर की ऐतिहासिक स्थिति के बारे में मशहूर लेखक ओसी हांडा ने अपनी किताब हिस्ट्री ऑफ उत्तरांचल में लिखा है कि मुगल बादशाहों के दौर में उत्तराखंड के कुमाऊं में चांद वंश के राजा बाज बहादुर का शासन (1638-1678) था। जिनका तत्कालीन मुगल बादशाहों-शाहजहां और औरंगजेब से काफी अछे संबंध थे। चूंकि उस वक्त पहाड़ों पर हूणों का आतंक था। इसलिए उनके आतंक को खत्म करने के लिए राजा बाज बहादुर ने तिब्बत पर हमला करने की योजना बनाई। तब उन्होंने दर्रा पार करके पूरे मानसरोवर को अपने कब्जे में लिया। क्योंकि यह हिंदुओं के आराध्य भगवान शिव के शिवलोक नाम से मशहूर धराधाम है, जहां भगवान शिव-पार्वती साक्षात विराजमान समझे जाते हैं।

वहीं, स्वनामधन्य लेखक मनमोहन शर्मा की किताब द ट्रेजेडी ऑफ तिब्बत में लिखा गया है कि कुमायूं के राजा बाज बहादुर ने जुहार दर्रे के रास्ते अपनी सेना के साथ तिब्बत की ओर बढ़े और हूणों के मजबूत गढ़ टकलाकोट पर कब्जा कर लिया। संभवतया इतिहास में यह पहली बार था कि किसी भारतीय राजा ने तिब्बत के इस गढ़ पर कब्जा किया था। वहीं, इसके बाद 1841 में जम्मू की डोगरा सेना ने भी इस क्षेत्र पर कब्जा किया। उल्लेखनीय है कि राजा बाज बहादुर ने देहरादून और मानसरोवर के पूरे इलाके को 1670 में कुमाऊं साम्राय में मिला लिया था, जो उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि थी। हालांकि, कैलाश मनसरोवर पर कब्जे को लेकर इतिहास बहुत धुंधला है।

फिलहाल, कैलाश मानसरोवर का क्षेत्र चीन अधिकृत तिब्बत में पड़ता है। इस पर ब्रिटिश अभियान साल 1903 में शुरू हुआ और साल 1904 तक चला। अंग्रेजों ने तिब्बत की राजधानी ल्हासा पर आक्रमण किया। फिर अंग्रेजों को इस पर नियंत्रण पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि तिब्बत को 24 अक्टूबर, 1951 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने अपने अधीन कर लिया था। कैलाश पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटियों में से एक कैलाश पर्वत है, जो ट्रांस-हिमालय का ही हिस्सा है। यह चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है। यह पर्वत चीन, भारत और नेपाल के पश्चिमी ट्राई जंक्शन पर स्थित है।

स्वामी शिवानंद जी महाराज, राजयोग धाम, तारापीठ ने अपनी रचनाओं में बताया था कि कैलाश मानसरोवर तीर्थ को अष्टपद, गणपर्वत और रजतगिरि भी कहते हैं। कैलाश के बर्फ से ढंके 6,638 मीटर (21,778 फुट) ऊंचे शिखर और उससे लगे मानसरोवर का यह तीर्थ है। इस प्रदेश को मानसखंड कहते हैं। कैलाश की परिक्रमा तारचेन से आरंभ होकर वहीं समाप्त होती है। तकलाकोट से 40 किलोमीटर दूरी पर मंधाता पर्वत स्थित गुर्लला का दर्रा है। इसके मध्य में पहले बायीं ओर मानसरोवर झील है और दायीं ओर राक्षस ताल झील है। वहीं, इसके उत्तर की ओर दूर तक कैलाश पर्वत के हिमाछादित धवल शिखर का रमणीय दृश्य दिखाई पड़ता है। यहां दर्रा समाप्त होने पर तीर्थपुरी नामक स्थान है जहां पर गर्म पानी के झरने हैं। इन झरनों के आसपास चूनखड़ी के टीले हैं। लोक मान्यता है कि भस्मासुर ने यहीं पर तप किया और यहीं पर वह भस्म भी हुआ था।

हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, रावण ने कैलाश मानसरोवर में ही भगवान शिव की स्तुति में 'शिव तांडव स्तोत्र' का पाठ किया था। जबकि हिन्दू मतों के मुताबिक, युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में इस प्रदेश के राजा ने उत्तम घोड़े, सोना, रत्न और याक के पूंछ के बने काले और सफेद चामर भेंट किए थे। वहीं, पौराणिक कथाओं के अनुसार, जैन धर्म के भगवान ऋषभदेव ने यहीं निर्वाण प्राप्त किया।

हिन्दू धर्मग्रंथों में कहा जाता है कि इस पर्वत का निर्माण 30 मिलियन वर्ष पहले हुआ था। कैलाश मानसरोवर यात्रा एक पवित्र तीर्थयात्रा है, जिसे मोक्ष का प्रवेश द्वार माना जाता है। कैलाश पर्वत तिब्बत में स्थित एक पर्वत श्रेणी है, जिसके पश्चिम और दक्षिण में मानसरोवर एवं राक्षसताल झील स्थित हैं। माना जाता है कि कैलाश पर्वत श्रृंखला का निर्माण हिमालय पर्वत श्रृंखला के शुरुआती चरणों के ही दौरान हुआ था। इसलिए कैलाश पर्वतमाला के निर्माण के कारण हुए भूगर्भीय परिवर्तन से चार नदियां भी जन्मीं, जो अलग-अलग दिशाओं में बहती हैं- ये चार नदियां हैं- सिंधु, करनाली, यारलुंग त्सांगपो यानी ब्रह्मपुत्र और सतलुज। उल्लेखनीय है कि कैलाश पर्वतमाला कश्मीर से लेकर भूटान तक फैली हुई है जो भारत और तिब्बत को भौगोलिक रूप से अलग-थलग करती है।

बता दें कि भारत और चीन के बीच सालों तक रिश्तों पर जमी बर्फ अब फिर से पिघलने लगी है दोनों देश पुन: नए सिरे से दोस्ती का हाथ बढ़ा चुके हैं। शायद पुरानी बातें भूलकर आपसी रिश्तों की नई पटकथा लिखने में जुट चुके हैं। इसका जमीनी असर भी दिखने लगा है। पहले तो एलएसी पर सीमा विवाद सुलझा और दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। फिर जहां-जहां तनाव था, वहां से डिसइंगेजमेंट हो गया। वहीं, अब कैलाश मानसरोवर यात्रा पर सफलता हाथ लगी है। भारत और चीन ने गत सोमवार को ही अपने

रिश्तों के पुनर्निर्माण की दिशा में यह अहम घोषणा की।

जानकार बताते हैं कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत भारत और चीन के रिश्तों में मील का पत्थर है। क्योंकि वर्ष 2020 के बाद से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद हैं। दरअसल, साल 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो झील के पास झड़पें हुई थीं, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। यह तनाव इतना यादा था कि दोनों देशों ने सीमा पर अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी थी। साथ ही हर तरह के संबंध तोड़ दिए थे।

अब रूसी हस्तक्षेप के बाद पुन: शुरू हुई पारस्परिक बातचीत से भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधरने लगे हैं। इन्हीं बातचीत का नतीजा है कि अब दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होने लगे हैं। इसकी पटकथा दिल्ली से 3750 किलोमीटर दूर स्थित रूस के कजान शहर में लिखी गई। जब भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई। दरअसल, साल 2024 के अक्टूबर महीने में पीएम मोदी और शी जिनपिंग कजान शहर में ब्रिक्स समिट में शरीक हुए थे। तभी समिट से इतर पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। तब दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। मुलाकात में ही सीमा पर शांति और दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने पर सहमति बनी थी। इसी दौरान सीमा पर तनाव कम करने, कैलाश मानसरोवर यात्रा और डायरेक्ट फ्लाइट की बहाली पर पीएम मोदी ने जिनपिंग को समझाया था। यही वह मुलाकात थी, जिसके बाद भारत और चीन के बीच बातचीत का चैनल सक्रिय हो गया था।लिहाजा, भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से बहाली और सीधी उड़ानों को शुरू होने के पीछे पीएम मोदी और शी जिनिपंग के बीच मुलाकात ही है। मंत्रालय ने कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर में कजान में हुई बैठक में सहमति बनी थी, विदेश सचिव मिसरी और चीनी उप विदेश मंत्री सुन ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की 'व्यापक' समीक्षा की और संबंधों को ''स्थिर करने और पुनर्निर्माण' करने के लिए कुछ जन-केंद्रित कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी चीन से संबंधों को और बेहतर करने के लिए गत रविवार को बीजिंग के दौरे पर गए।

प्रधानमंत्री मोदी और जिनपिंग की पिछली मुलाकात के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी समकक्ष वांग यी की मुलाकात हुई थी। तभी दोनों के बीच भारत-चीन सीमा पर सैनिकों की वापसी पर चर्चा हुई थी। साथ ही भारत और चीन के रिश्तों को 2020 से पहले वाली स्थिति में करने पर भी बातचीत हुई थी। इतना ही नहीं, दिसम्बर 2024 में एनएसए यानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बीजिंग का दौरा किया था। तब सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता के ढांचे के तहत उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत की थी। इन बातचीत और मुलाकातों ने भारत और चीन के बीच रिश्तों को नया मुकाम दिया। इसका असर हुआ कि अब भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधरते दिख रहे हैं।

गौरतलब है कि कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा का आयोजन भारत का विदेश मंत्रालय करता है, जो उत्तराखंड, सिक्किम और तिब्बत से होती है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के हवाले इस यात्रा की पूरी सुरक्षा होती है। वहीं, कुमायूं मंडल विकास निगम और सिक्किम पर्यटन विकास निगम कैलाश की यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को मदद देती है। वहीं, दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट की ओर से यात्रा पर जाने वाले लोगों का फिटनेस टेस्ट किया जाता है। यात्री के अनिफट पाए जाने पर उसकी यात्रा कैंसिल हो सकती है। यदि आप भी कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाना चाहते हैं तो विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जाकर आप कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। यात्रा के लिए अपने पास पासपोर्ट साइज फोटो, पासपोर्ट का पहला और आखिरी पेज का फोटो, फोन नंबर और ईमेल अपने पास रखें। इस यात्रा को पूरा करने में तकरीबन 25 दिन का समय लगता है। इसमें 2 से 3 लाख तक खर्चा आ सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दिल्ली विधानसभा चुनाव : फ्रीबीज को लेकर महिला मतदाताओं की उदासीनता

डॉ. रमेश ठाकुर

अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनावी घोषणापत्र में एक बार फिर फ्रीबीज की झड़ी लगाई है। अपनी मुहिम में वे कितने सफल होंगे यह आने वाला समय तय करेगा। इतना जरूर है कि मतदाता मुफ्त की सौगातों से ऊबने लगा हं। श्रमबल को तरजीह देने वाली आधी आबादी भी मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर ध्यान देंगी, इसमें काफी संशय है। इसी कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार के दौरान महिला वोटरों की उदासीनता दिखने लगी है। 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतरे कुल 699 उम्मीदवारों में 96 महिला उम्मीदवार हैं। पर, वैसा उत्साह नहीं दिखता, जितना पिछले चुनावों में दिखा था। जबकि, प्रमुख दल आम आदमी पार्टी (आआपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और कांग्रेस तीनों महिला वोटरों को रिझाने में मुफ्त के वादों की झड़ी लगाए हुए हैं। कोई 2100 रुपए देने का वादा कर रहा है तो 2500 और 3000 तक। फ्री बस सेवा सभी के एजेडे में है। सवाल उठता है कि इतने लुभावने वादों के बाद भी महिला वोटरों में उत्साह क्यों नहीं है? इसे लेकर चुनाव आयोग भी चिंतित है। चुनावी समर में लगातार तेजी से गिरता मतदान प्रतिशत चुनावी प्रक्रिया के अलावा लोकतंत्र के लिए भी घातक है। जबकि, बीते 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं का वोटिंग स्कोर पुरुषों के मुकाबले अधिक था।

शायद, महिलाएं भी समझ चुकी हैं कि फ्री के नाम पर राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं। महिलाएं बुनियादी मुद्दों की गंभीरता को अच्छी तरह से समझती हैं। राज्य तरक्की करे उसमें उनकी भागीदारी हो, उसे ध्यान में रखकर ज्यादातर महिलाओं ने मुफ्त की रेवड़ियों से किनारा करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में ताजा और बेहतरीन उदाहरण सामने है। बिहार में जब नीतीश कुमार ने शराबबंदी का ऐलान करके चुनाव लड़ा तो महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और सत्ता में उनकी शानदार वापसी हुई। देश और सामाजिक उद्धार वाले मुद्दों के प्रति महिलाएं कितनी सजग हैं, इससे बेहतर उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता। केंद्रीय स्तर पर जबसे आत्मनिर्भरता की अलख चहुंओर जगी है, महिलाएं भी श्रमबल को ज्यादा तवज्जो देनी लगी हैं। ये अच्छी बात है, इससे राजनीतिक दल अपनी हरकतों से बाज आएंगे। शायद यही कारण है दिल्ली में महिलाओं की चुनाव के प्रति उदासीनता है। क्योंकि, सभी दल मुद्दों-समस्याओं को छोड़ कर फ्री की सेल लगाकर बैठे हैं।महिला मतदाताओं की उदासीनता दिल्ली चुनाव इस बार नई तस्वीर पेश करेगी। मौजूदा सरकार की शराब पॉलिसी को लेकर महिलाएं खासी नाराज हैं। सरकार की नई शराब नीति में 'एक पर एक फ्री बोतल' पॉलिसी ने कइयों के घर बर्बाद कर दिए। मौजूदा सरकार अगर सत्ता से बेदखल होती है तो शराब ऑफर उसका मुख्य कारण होगा। शिक्षित व कामकाजी वर्ग मतदान से लगातार दूरियां बनाने लगा है। मतदान के दिन वह छुट्टियां मनाते हैं, बमुश्किल ही घरों से उस दिन बाहर निकलते हैं।

दिल्ली में इस बार जितने नए मतदाता जुड़े हैं उनमें पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाता काफी पीछे हैं। ये स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे तीनों प्रमुख दलों की घोषणाओं में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की भरमार है। आआपा, भाजपा व कांग्रेस तीनों दल आधी आबादी को अपने पाले में करने की भरसक कोशिश में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची पर अगर गौर करें तो पुरुष मतदाताओं से महिलाओं की संख्या काफी कम है। इस बार दिल्ली में कुल 1,55,24,858 मतदाता अपने मतों का 5 फरवरी को इस्तेमाल करेंगे जिनमें पुरुषों की संख्या 85,49,645 और महिलाओं की संख्या 71,73,952 है। बीच में अंतर अच्छा खासा , दिल्ली चुनाव आयोग ने मतदान बढ़ाने को लेकर नायाब तरीका अपनाया है। आयोग ने दिल्ली के तकरीबन सभी स्कूलों को आदेशित किया है कि वह छात्रों के जरिए उनके माता-पिता व अन्य परिवारजनों से मतदान को लेकर लिखित में संकल्पित करवाएं। इसके लिए बाकायदा छात्रों से एक संकल्प पत्र दिया गया है जिस पर उनके अभिभावक वोट देने की कसम को लिखित हस्ताक्षर के साथ स्कूलों में जमा करवा रहे हैं।

बहरहाल, दिल्ली चुनाव में दो धड़े ऐसे हैं जो सियासी दलों की नैया इसबार पार लगा सकते हैं। अव्वल, महिला वोटर और दूसरे पूर्वांचल से जुड़े मतदाता वर्ग। दिल्ली में प्रत्येक 10 वोटरों में तीसरा वोटर पूर्वांचली है। अगर इन दोनों वर्गों की उदासनीता चुनाव पर हावी रही तो वोटिंग प्रतिशत और नीचे गिर जाएगा। पिछले दिनों कुछ राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव हुए जिनमें दिल्ली से सटी गाजियाबाद सीट पर मात्र 33 फीसदी मतदान हुआ, जिसे देखकर आयोग के ही नहीं, नेताओं के कान खड़े हो गए। जबकि, गाजियाबाद सीट पर महिला वोटरों की संख्या बहुत अच्छी है। सवाल ये भी उठने लगा है कि क्या महिलाएं मुफ्त की रेवड़ियां से परहेज करने लगी हैं। अगर ऐसा है तो सुखद तस्वीर कही जाएगी। निश्चित रूप से देश की शिक्षित महिलाएं अब अपने श्रमबल को तरजीह देने लगी हैं। उन्हें देखकर ग्रामीण आबादी भी सजग हुई है। वोटिंग प्रक्रिया में महिलाओं की चुप्पी क्या कहती है, उसे समझना चुनाव आयोग और राजनेताओं के लिए अब जरूरी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चेन्नईयन एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स एफसी: जीत की तलाश में मरीना माचान्स

एजेंसी

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में गुरुवार को चेन्नईयन एफसी अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केरला ब्लास्टर्स एफसी का सामना करेगी। सात मैचों से जीत से दूर चल रही मरीना माचान्स इस मुकाबले में जीत दर्ज कर अपनी स्थिति सुधारना चाहेगी, जबकि केरला ब्लास्टर्स आईएसएल इतिहास में दूसरी बार (2021-22 के बाद) चेन्नईयन एफसी पर लीग डबल पूरा करने का लक्ष्य रखेगी। इससे पहले, 24 नवंबर 2024 को खेले गए रिवर्स फिक्स्चर में ब्लास्टर्स ने चेन्नईयन एफसी को 3-0 से हराया था।

टीमों की स्थिति

चेन्नईयन एफसी ने अब तक 18 मैचों में चार जीत, छह ड्रा और आठ हार के साथ 18 अंक हासिल किए हैं और वह अंक तालिका में 10वें स्थान पर है। वहीं, केरला ब्लास्टर्स एफसी ने 18 मैचों में छह जीत, तीन ड्रा और नौ हार के साथ 21 अंक जुटाए हैं और वह आठवें स्थान पर काबिज है। आईएसएल इतिहास में चेन्नईयन एफसी ने अपने घरेलू मैदान पर कभी भी केरला ब्लास्टर्स एफसी से हार नहीं मानी है। टीम इस बार पहली बार लगातार दो घरेलू मुकाबलों में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ क्लीन शीट बरकरार रखने की कोशिश करेगी। हालांकि, चेन्नईयन एफसी अपने पिछले पांच मैचों में जीत दर्ज नहीं कर पाई है, जबकि केरला ब्लास्टर्स ने इस दौरान दो जीत और दो हार के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंगः आदिल राशिद बने नंबर 1 गेंदबाज, तिलक वर्मा बल्लेबाजी सूची में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय राशिद इससे पहले 2023 के अंत में नंबर 1 बने थे, लेकिन कुछ समय बाद वेस्टइंडीज के अकील होसेन ने उनकी जगह ले ली थी। हालांकि, भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में शानदार गेंदबाजी करते हुए उन्होंने फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। राजकोट में तीसरे टी20 मैच में 1/15 के प्रदर्शन के साथ, इंग्लैंड की 26 रन की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। राशिद ने तीन मैचों में कुल तीन विकेट झटके हैं।

भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने राजकोट में पांच विकेट लेकर 25 स्थानों की छलांग लगाते हुए पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, भारतीय उपकप्तान अक्षर पटेल भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे वह टॉप-10 में प्रवेश करने के करीब हैं।

एनएसडीसी, कोललर्न और डीए वन स्पोर्ट्स मिलकर क्रिकेट कोचों को बनायेंगे और कुशल

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), एड-टेक प्लेटफॉर्म कोललर्न और शिखर धवन के डीए वन स्पोर्ट्स के सहयोग से, विभिन्न स्तरों पर खिलाड़ियों को सलाह देने की क्षमता बढ़ाने के लिये देश भर में क्रिकेट कोचों को कौशल प्रशिक्षण देना शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। एनएसडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एनएसडीसी इंटरनेशनल (एनएसडीसीआई) के प्रबंध निदेशक वेद मणि तिवारी ने कहा, यह पहल केवल तकनीकी कौशल बढ़ाने के बारे में नहीं है, यह उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के बारे में है, जो सभी स्तरों पर खिलाड़ियों को प्रभावी ढंग से सलाह देने के लिये कोच तैयार करता है। जैसे-जैसे खेल उद्योग में कुशल प्रशिक्षकों की मांग बढ़ती जा रही है, यह जरूरी है कि हम क्रिकेट में कोचिंग के मानकों को ऊंचा उठायें। समय के साथ विकसित होने वाली मॉडर्न कोचिंग तकनीक को एकीकृत करके, हम प्रतिस्पर्धी माहौल में आगे बढ़ने के लिये अपने कोचों को आवश्यक क्रिकेट उपकरण से लैस कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इच्छुक कोचों को सशक्त बनाना है, यह सुनिश्चित करना है कि वे भारतीय खेलों के वाइब्रेंट और विकसित लैंडस्केप में योगदान देने के लिये अच्छी तरह से तैयार हैं। क्रिकेट कोच एजुकेशन प्रोग्राम एक सहयोगात्मक प्रयास है, जहां एनएसडीसी कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये वर्कशॉप की सुविधा प्रदान करेगा और इस पहल के लिये सभी पात्र उम्मीदवारों को ऋण प्रदान करेगा। कोललर्न एजुकेशन टेक्नोलॉजीज कक्षायें आयोजित करने और छात्रों को प्लेसमेंट सहायता प्रदान करने के लिये जिम्मेदार होगी।

उत्तराखंड के बैडमिंटन सितारों ने पहले दिन दिखाया दम

देहरादून । उत्तराखंड में हो रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के पहले दिन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुषों और महिलाओं की टीम स्पर्धाओं में जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित मल्टी-पर्पस हॉल में देश के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और रोमांचक मुकाबलों में जोरदार खेल दिखाया। पुरुषों के ग्रुप बी में अरुणाचल प्रदेश और राजस्थान के बीच कांटे की टक्कर हुई लेकिन राजस्थान ने 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। राजस्थान की टीम ने युगल मुकाबलों में दबदबा बनाते हुए महत्वपूर्ण एकल मैच भी जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। अरुणाचल प्रदेश ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया लेकिन निर्णायक क्षणों में जरूरी अंक हासिल करने से चूक गई।महिलाओं के ग्रुप बी में मेजबान उत्तराखंड ने गुजरात के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाया और 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। पूरे मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

ईसीबी ने द हंड्रेड 2025 के कार्यक्रम की घोषणा की, 5 अगस्त से होगी शुरुआत

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रात द हंड्रेड 2025 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। टूर्नामेंट का पांचवां सीज़न 5 अगस्त से लॉर्ड्स में शुरू होगा, जहां लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स के बीच डबल-हेडर मुकाबला खेला जाएगा।

मौजूदा पुरुष चैंपियन ओवल इनविंसिबल्स और मौजूदा महिला चैंपियन लंदन स्पिरिट की द हंड्रेड की इक्विटी सेल में सबसे अधिक मांग होने की उम्मीद जताई जा रही है। हंड्रेड इक्विटी सेल गुरुवार से शुरू हो रही है, जिसमें ओवल इनविंसिबल्स और बर्मिंघम फीनिक्स इस प्रक्रिया में शामिल होने वाली पहली टीमें होंगी। इस बार द हंड्रेड का शेड्यूल मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के साथ टकराव से बचाने के लिए तैयार किया गया है। फाइनल 31 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर 30 अगस्त को ओवल में होगा। इस सीज़न से पहली बार पुरुषों और महिलाओं के तहत अनुबंधित होने वाले पहले खिलाड़ी बने। वोल्वार्ड्ट को दक्षिणी ब्रेव और केर को मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइन किया है।

दोनों प्रतियोगिताओं में प्रत्यक्ष हस्ताक्षर (डायरेक्ट साइनिंग) की अनुमति दी गई है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट और न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर इस प्रक्रिया

खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया

लंदन स्पिरिट की ऑलराउंडर चार्ली डीन, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, ने कहा, द हंड्रेड अब गर्मियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। यह एक शानदार प्रतियोगिता है, जिसमें बेहतरीन भीड़ और उच्च स्तरीय क्रिकेट देखने को मिलता है। हम अपने खिताब की रक्षा करने के लिए उत्सुक हैं।

ओवल इनविंसिबल्स के कप्तान सैम बिलिंग्स ने कहा, लॉर्ड्स में बिक चुके डर्बी मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरुआत करना शानदार होगा। हम एक और सकारात्मक सीज़न के लिए तैयार हैं, और इसमें कोई शक नहीं कि लॉर्ड्स का माहौल जबरदस्त रहेगा।पिछले सीज़न के पासधारकों के लिए टिकटों की बिक्री आज से शुरू हो गई है। वहीं, पिछले प्रतिभागियों के लिए 4 से 18 मार्च तक विशेष विंडो खुलेगी। प्राथमिकता बिक्री 1 से 15 अप्रैल तक होगी, जबकि आम जनता के लिए टिकट 17 अप्रैल से उपलब्ध होंगे।

नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने वाली धिनिधी को भाया स्विमिंग पूल

एजेंसी

देहरादून। कर्नाटक की तैराक धिनिधी ने राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही दिन तीन गोल्ड मेडल जीतकर तहलका मचा दिया। उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद कहा कि उत्तराखंड में खेल सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर की हैं और यहां मुकाबला करके ओलंपिक जैसा अनुभव मिल रहा है। धिनिधी ने विमेंस 200 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में 2 मिनट 3.24 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा, विमेंस 100 मीटर बटरफ्लाई में भी उन्होंने 1 मिनट 3.62 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साथ ही, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में भी उनकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता। तीन गोल्ड मेडल जीतने के बाद धिनिधी ने कहा कि उन्हें इतने बेहतर इंतजाम मिलने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने बताया कि पहाड़ी राज्य होने के कारण ठंडे पानी में तैरने की चुनौती का डर था, लेकिन यहां कंट्रोल्ड टेम्परेचर वाले स्विमिंग पूल में प्रतिस्पर्धा का मौका मिलने से उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिली। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा

आर्या ने धिनिधी को तीन स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि राज्य में अत्याधुनिक स्विमिंग पूल तैयार किए गए हैं, जिनमें पानी का तापमान ओलंपिक मानकों के अनुरूप रखा जाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से सुविधाओं की सराहना सुनना राज्य सरकार की खेल नीतियों की सफलता को दर्शाता है।

खेल मंत्री सतीश शर्मा ने बाना सिंह खेल मैदान में खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं की हासिल की जानकारी

एजेंसी

आरएस पुरा। जम्मू कश्मीर सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, परिवहन, युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने आरएस पुरा कस्बा स्थित बाना सिंह मैदान का दौरा किया और वहां पर खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर उनके साथ नेशनल कांफ्रेंस के जिला अध्यक्ष नरेश बिट्टू के साथ-साथ क्षेत्र के कई लोग भी उपस्थित रहे जिन्होंने खेल मंत्री से मांग करते हुए कहा कि खेल के मैदान में आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए और इसके अलावा मैदान में जो विकास कार्य हुए हैं उनकी भी जांच होनी चाहिए ताकि पता चल सके की खेल मैदान के विकास पर कितने पैसे खर्च हुए हैं। इस मौके पर कुंदन पहलवान ने कहा कि खेल मैदान में शौचालय की व्यवस्था न होने के कारण जहां पर आने वाले खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और मैदान के मुख्य द्वार पर गंदगी फैली हुई है। इसके साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा कि खेल मैदान को बेहतर तरीके के साथ विकसित किया जाना चाहिए।

इस मौके पर खेल मंत्री सतीश शर्मा ने क्षेत्र के लोगों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि खेल मैदान में बेहतर तरीके के साथ विकास कार्यों को करवाया जाएगा और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलें इसके लिए आने वाले दिनों में कारगर कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने विश्वास दिलाया कि अब तक खेल मैदान के विकास पर जितने भी पैसे खर्च हुए हैं उसकी भी जांच होगी ताकि पता चल सके कि इतना पैसा खर्च होने के बावजूद खिलाड़ियों को सुविधा क्यों नहीं मिल पा रही हैं और विकास कार्यों में क्यों कमी रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार का मकसद है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलें और इसके लिए सरकार की तरफ से लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरएस पुरा कस्बे स्थित बाना सिंह मैदान परमवीर चक्र विजेता के नाम पर है ऐसे में मैदान का बेहतर तरीके के साथ विकास होना परमवीर चक्र विजेता का सम्मान होना है। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व सरपंच दर्शन चौधरी, राजेश चौधरी, रमेश चौधरी तथा करण भगत सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

अंतर महाविद्यालय खो खो प्रतियोगिता की शील्ड पर एम वी कॉलेज ने किया कब्जा

एजेंसी

डेहरी आन सोन। डेहरी आन सोन स्थित महिला कालेज डालमियानगर में आयोजित दो दिवसीय वीकेएसयू अंतर महाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता में बक्सर का एम वी कॉलेज विजेता बना। संघर्षपूर्ण मैच में बक्सर की टीम 17- 14 से विजेता बना। बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार बक्सर के पूजा कुमारी व बेस्ट चेजर का पुरस्कार तिलौथू की मोहिनी कुमारी को मिला। निर्णायक मंडल में जिले रेफरी नीरज कुमार व रशीद और बक्सर जिले के रेफरी रोहित व गोलू कुमार शामिल थे। उद्घोषक तिलौथू राधा शांता कालेज के पीटीआई विनोद सिंह थे।प्रायोजित में विश्विद्यालय के आधे दर्जन कालेज की टीम रोहतास महिला कॉलेज सासाराम, एसएस कॉलेज सासाराम,अनुमंडल डिग्री महाविद्यालय नौहट्टा, महिला कॉलेज डेहरी ,राधा शांता महाविद्यालय तिलौथू एवं एम वी कॉलेज बक्सर हिस्सा लिया। विजेता व उपविजेता टीम को टीम को हड्डी रोग चिकित्सक डा कुमार पांडेय,संजय सिंह बाला समेत कालेज के सभी शिक्षक,कर्मी और छात्राएं मौजूद थी।प्राचार्य डॉ दिग्विजय सिंह ने इस खेल प्रतियोगिता में शामिल सभी

अंशुमन व प्राचार्य डॉ दिग्विजय सिंह ने दिया ।मौके पर राधा शांता महाविद्यालय तिलौथू के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह, डॉ माधुरी सिंह , डॉ गीता खिलाड़ियों एवं अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उन्होंने खेल में शामिल सभी अतिथियों को बुके एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

ख्वाजा और स्मिथ के शतक से गाले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की पकड़ मजबूत

एजेंसी

गाले। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला यहां गाले में खेला जा रहा है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने शानदार शतक जड़ा। ख्वाजा ने जहां करीब 19 महीने बाद टेस्ट फॉर्मेट में शतक पूरा किया है, वहीं स्मिथ ने 35वां शतक जड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे किए हैं।

बहरहाल पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलियन टीम का स्कोर 2 विकेट पर 330 रन है। उस्मान ख्वाजा 210 गेंदों पर 147 रन और स्टीव स्मिथ 188 गेंदों पर 104 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच 195 रनों की साझेदारी हो चुकी है। दोनों बल्लेबाद दूसरे दिन गुरुवार को 2 विकेट पर 330 रनों से आगे खेलना शुरू करेंगे। पहले दिन श्रीलंका के लिए प्रभाथ जयसूर्या और जेफ्री वेंडरसे ने 1-1 विकेट झटके।

ख्वाजा ने 19 महीने बाद टेस्ट में जड़ा शतक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियन टीम ने पहली पारी में स्टंप्स तक 2 विकेट पर 330 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। ट्रेविस हेड ने तेजी से बल्लेबाजी की और 40 गेंदों पर 57 रन बनाकर पवैलियन लौटे। इस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 92 रन था। फिर मार्नस लबुशेन 20 रन बनाकर चलते बने, लेकिन उस्मान ख्वाजा ने एक छोड़ को मजबूती से संभाले रखा। इसके बाद ख्वाजा ने अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ के साथ पारी को आगे बढ़ाया। ख्वाजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का 16वां शतक जड़ दिया। इसी के साथ इस बल्लेबाज ने तकरीबन 19 महीने बाद टेस्ट फॉर्मेट में शतक पूरा किया। इससे पहले आखिरी बार उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ जून 2023 में शतक बनाया था। स्टीव स्मिथ का शतक, टेस्ट में पूरे किए 10 हजार रनउस्मान ख्वाजा के बाद स्टीव स्मिथ ने भी शतक जड़ दिया। उन्होंने टेस्ट करियर का 35वां शतक पूरा किया। इस दौरान स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। स्मिथ से पहले रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने अपने 115वें टेस्ट में यह मील का पत्थर छुआ, जिससे तेजी से यह आंकड़ा पार करने के मामले में वह ब्रायन लारा के बाद दूसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में स्मिथ जो रूट (12,972 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

भारतीय सेना ने युवाओं के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट का किया आयोजन

एजेंसी

पुंछ। युवाओं में शारीरिक फिटनेस और खेल भावना को बढावा देने के प्रयास में नक्का माजरी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र से कुल 16 टीमों ने भाग लिया और 15 दिनों की अवधि में टी-20 प्रारूप के मैच आयोजित किए गए।आज, हिल व्यू नक्का और नाइट राइडर्स नक्का के बीच फाइनल खेला गया जिसमें नाइट राइडर्स नक्का ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उन्हें विकास के बेहतर अवसर प्रदान करना था। गांव के लोगों, पूर्व सरपंचों और पंचों ने भारतीय सेना के निस्वार्थ प्रयासों की सराहना की। स्थानीय क्रिकेट कोचों ने भी इन पहलों की सराहना की है जिसमें युवा दिमाग को आकार देने में खेलों के महत्व पर जोर दिया गया है।

राष्ट्रीय खेल बैडमिंटनः उत्तराखंड ने पहले दिन किया शानदार प्रदर्शन, कई रोमांचक मुकाबले खेले गए

एजेंसी

देहरादून। 38वें नेशनल गेम्स बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां देश के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित मल्टी-पर्पस हॉल में खेले गए मैचों में पुरुषों और महिलाओं की टीम स्पर्धाओं में कड़ा मुकाबला हुआ। उत्तराखंड की शानदार शुरुआत महिलाओं के ग्रुप बी में मेजबान उत्तराखंड ने शानदार खेल दिखाते हुए गुजरात को 3-2 से हराया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली, लेकिन उत्तराखंड की टीम ने निर्णायक युगल मुकाबले में जीत दर्ज कर घरेलू दर्शकों को खुशी दी। दोपहर के सत्र में उत्तराखंड की महिला टीम ने कर्नाटक के खिलाफ भी 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। कर्नाटक की टीम ने जोरदार चुनौती पेश की, लेकिन उत्तराखंड ने एकल और युगल मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की।

पुरुषों में भी मुकाबले रोमांचकः पुरुषों के ग्रुप बी में राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें राजस्थान ने 4-1 से जीत दर्ज की। राजस्थान की टीम ने युगल मुकाबलों में बढ़त बनाते हुए निर्णायक एकल मैच जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। दोपहर के सत्र में पुरुषों के ग्रुप ए में सर्विसेज टीम ने कर्नाटक को 3-2 से हराकर चौंका दिया। कर्नाटक के खिलाड़ी शुरुआती बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहे, जबकि सर्विसेज की टीम ने रणनीतिक खेल से युगल मुकाबलों में जीत हासिल की। पुरुषों के ग्रुप बी में छत्तीसगढ़ ने राजस्थान को 3-2 से हराकर जबरदस्त जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन छत्तीसगढ़ की टीम ने संयम और कौशल का परिचय देते हुए मैच जीत लिया।

हरियाणा की महिला टीम का दमदार प्रदर्शन

महिलाओं के ग्रुप ए में हरियाणा की टीम ने असम को 4-1 से हराकर दबदबा बनाया। अनमोल खरब ने एकल और युगल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे हरियाणा को बड़ी जीत हासिल हुई।

पहले दिन के मुकाबलों के बाद टूर्नामेंट में रोमांचक शुरुआत देखने को मिली है। उत्तराखंड ने अपने शानदार खेल से सभी का ध्यान खींचा है, जबकि अन्य टीमें भी खिताब की दौड़ में मजबूती से बनी हुई हैं। आने वाले दिनों में और भी रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद है, जहां खिलाड़ी अपनी क्षमता का पूरा प्रदर्शन करेंगे।

जेरी होलनेस बने भारतीय महिला 400 मीटर टीम के मुख्य कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध जमैका एथलेटिक्स कोच जेरी ली होलनेस को भारतीय महिला 400 मीटर टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है। ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेताओं को प्रशिक्षित कर चुके होलनेस ने भारतीय एथलेटिक्स सेट-अप में शामिल होकर कार्यभार संभाल लिया है। होलनेस केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई) में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में शामिल हुए। उनका कार्यकाल प्रारंभ में 2026 तक होगा और उनके प्रदर्शन मूल्यांकन के बाद इसे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। 65 वर्षीय अनुभवी कोच भारतीय महिला धावकों हिमा दास, सुभा वेंकटेशन, रूपल, किरण पहल और विथ्या रामराज को प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने स्टाशुक वैलेरी की जगह ली है, जो पेरिस ओलंपिक तक इस पद पर थे। होलनेस की नियुक्ति भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति से कुछ दिन पहले ही रूसी दिग्गज सर्गेई मकरोव अलेक्जेंड्रोविच को भाला फेंक कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, भारत के स्टार एथलीट और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा मुख्य रूप से अपने कोच जान जेलेज़नी के मार्गदर्शन में ही प्रशिक्षण लेंगे। होलनेस ने अपने करियर में कई शीर्ष धावकों को कोचिंग दी है, जिनमें ओलंपिक चैंपियन एलेन थॉम्पसन और नेस्टा कार्टर शामिल हैं। थॉम्पसन ने 2016 और 2020 ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि कार्टर 2012 ओलंपिक में 4×100 मीटर रिले स्वर्ण विजेता टीम का हिस्सा थे, जिसमें दिग्गज धावक उसैन बोल्ट भी शामिल थे।

अंडर-19 टी20 विश्वकपः सुपर 6 मुकाबले में श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 12 रनों से हराया

एजेंसी

बांगी (मलेशिया)। मलेशिया में खेले जा रहे दूसरे आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्वकप में एक चौंकाने वाला नतीजा देखने को मिला। बांगी में खेले गए सुपर सिक्स के एक मुकाबले में श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 12 रनों से हरा दिया। हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर इस हार का ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला क्योंकि वो पहले ही सेमीफाइनल में क्वालीफाई कर चुकी है जबकि श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, बस अंतिम चार में पहुंचने के पहले वो अपने अजेय अभियान को जारी नहीं रख सकी। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 99 रन का छोटा स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की पारी की शुरुआत दमदार रही थी और 7 ओवर तक टीम ने बिना विकेट खोए 40 से ज्यादा रन बना लिए थे लेकिन सुमुदु निसानसला (18 रन) के रूप में पहला विकेट गिरने के साथ टीम लड़खड़ा सी गई। सुमुदु ने संजना कविंडी के साथ 42 रन की साझेदारी की। कविंडी ने सबसे ज्यादा 19 और निसानसला ने 18 रन बनाए। कप्तान मनुडी नानायक्कारा ने 15 रन और हिरुनी हंसिका ने 14 रन बनाए। इन चार बल्लेबाजों के अलावा कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लिली बैसिंथवाइट ने 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि हसरत गिल और टेगन विलियमसन ने दो-दो विकेट चटकाए। श्रीलंका की ओर से मिले 100 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कंगारू टीम की हालत भी खस्ता रही। टीम ने दूसरे ओवर में ही अपना पहला विकेट गंवा दिया। सातवें ओवर तक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 रन के कुल योग पर 3 विकेट खो चुकी थी। तब क्वीमहे ब्राय और एलेनॉर लरोसा ने बीच के 8 ओवर में 41 रन की दमदार साझेदारी की। हालांकि इसके बाद फिर विकेट जो विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ उसने टीम को जीत की राह के भटका दिया। इस तरह निर्धारित 20 ओवरों में ऑस्ट्रेलिया की टीम 8 विकेट खोकर सिर्फ 87 रन ही बना सकी। हालांकि इस हार का भी ऑस्ट्रेलिया पर कोई असर नहीं पड़ा है क्योंकि टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा अंतिम 4 में भारत, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका हैं। पहला सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। ये दोनों सेमीफाइनल शुक्रवार 31 जनवरी को खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल : हरियाणा की रमिता ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में बनाया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड

एजेंसी

देहरादून। देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की नवनिर्मित हाईटेक त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता में हरियाणा की रमिता जिंदल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.9 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कि कोरिया की बान ह्योजिन के पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में बनाए गए 634.5 के स्कोर से बेहतर रहा।

इसके साथ रमिता ने 2023 विश्व चैंपियनशिप के दौरान मेहुली घोष द्वारा बनाए गए 634.5 के स्कोर को भी पीछे छोड़ दिया। रमिता जिंदल ने महिलाओं के एयर राइफल फाइनल के लिए आठ क्वालीफायर का नेतृत्व किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें महाराष्ट्र की आर्या बोरसे पर 0.4 अंकों की बढ़त दिलाई। रमिता अब गुरुवार को इस स्पर्धा के फाइनल में खेलेंगी।

रमिता जिंदल, जो पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और अंतिम आठ तक पहुंची थीं, इस शूटिंग रेंज से काफी प्रभावित दिखीं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद थी कि मैं इस रेंज में रिकॉर्ड बना सकती हूं। यहां के उपकरण उच्च गुणवत्ता के हैं, और स्कोरिंग भी काफी सटीक हो रही है। पेरिस ओलंपिक की शूटिंग रेंज में जो सुविधाएं थीं, वही यहां भी मौजूद हैं। इससे खिलाड़ियों को बेहतरीन माहौल मिल रहा है और वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पा रहे हैं। रमिता ने इस सफलता का श्रेय अपनी कोच नेहा चव्हाण को भी दिया और कहा कि उनकी

मेहनत और मार्गदर्शन के कारण ही वे इतना शानदार प्रदर्शन कर पाई। वहीं, उत्तराखंड की खूबसूरती की तारीफ करते हुए रमिता ने कहा कि उत्तराखंड हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। इस बार भी फाइनल के बाद अगर समय मिला, तो मैं यहां के प्राकृतिक नजारों का आनंद जरूर लूंगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेलों के लिए हमने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि देश भर से आए खिलाड़ी यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं।

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली में जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन करने के बाद हथकरघा क्षेत्र से आधुनिकता, परंपरा और नवीनता के साथ प्रीमियम बाजारों को लक्षित करने का आग्रह किया। उन?होंने हथकरघा बुनकर ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि उभरते ई-कॉमर्स बाजार को लक्षित करने के लिए हथकरघा उत्पादों की टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल प्रकृति, प्राकृतिक रंगाई, जैविक फाइबर के लाभ और हथकरघा उत्पादों के डिजाइन की विशिष्टता के बारे में व्यापक जागरुकता पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक ई-कॉमर्स के 325 अरब डॉलर का बाजार बनने की उम्मीद है। गिरिराज सिंह ने संगठित या कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत कपड़ा उद्योग से हथकरघा बुनकरों के लिए सामाजिक सुरक्षा और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करते हुए स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए एक मॉडल विकसित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कपड़ा मंत्रालय कॉरपोरेट्स, उत्पादक कंपनियों, स्टार्ट-अप्स के लिए पुरस्कार शुरू करेगा, जो हथकरघा उद्योग के लिए ऐसा मॉडल तैयार करेगा और हथकरघा बुनकरों को साल में न्यूनतम 300 दिन का स्थायी रोजगार प्रदान करेगा।

एमएनआरई ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अधिसूचित किया

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को अधिसूचित किया है। यह संशोधित आदेश प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद प्रभावी होगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) अधिनियम, 2016 के तहत 27 जनवरी को अधिसूचित राजपत्र में मौजूदा सौर फोटोवोल्टिक्स, प्रणाली, उपकरण और घटक वस्तु (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं) आदेश, 2017 को संशोधित किया गया है। इस आदेश में सौर पीवी मॉड्यूल, सौर पीवी अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले इनवर्टर और स्टोरेज बैटरी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि अधिक जानकारी एमएनआरई की आधिकारिक वेबसाइट www.mnre.gov.in पर जाकर ली जा सकती है। संशोधित आदेश भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है, जो प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद लागू होगा। संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश सभी संबंधित हितधारकों-सौर पीवी मॉड्यूल निर्माताओं, इन्वर्टर निर्माताओं, भंडारण बैटरी निर्माताओं, उत्पादों के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) और बीआईएस के साथ 24 महीने से अधिक समय तक उचित परामर्श के बाद अधिसूचित किया गया है।

रेक्सप्रो एंटरप्राइजेज ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। फर्नीचर का कारोबार करने वाली कंपनी रेक्सप्रो एंटरप्राइजेज ने आज स्टॉक मार्केट में अपने निवेशकों को काफी निराश किया। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 19.31 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 145 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शेयरों की 19.31 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 117 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को डबल शॉक उस समय लगा, जब ये शेयर टूट कर 111.15 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 23.34 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। रेक्सप्रो इंटरप्राइजेज का 53.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को खुदरा निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 17.67 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

डेंटा वाटर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट लेवल पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली कंपनी डेंटा वाटर की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 294 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई में इसकी लिस्टिंग 330 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 325 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 12 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 346.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 17.84 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। डेंटा वाटर का 220.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 236.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में तेजी, 83 हजार के पार पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार चार दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज सोना 870 से 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की ही तेजी नजर आ रह है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 83,010 रुपये से लेकर 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 76,110 रुपये से लेकर 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 83,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22

कैरेट सोने की कीमत 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 76,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 83,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 76,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 83,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में उछाल दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

केंद्र ने कुछ प्रकार की नौकाओं, वाहनों के आयात पर लगा प्रतिबंध हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कुछ प्रकार की गश्ती नौकाओं और वाहनों पर आयात प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इनका आयात मुख्य रूप से फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग और ब्रिटेन से किया जाता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में बताया कि गश्ती या निगरानी नौकाओं, एयर-कुशन वाहनों और रिमोट से संचालित वाहनों की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध से मुक्त में संशोधित किया गया है। डीजीएफटी ने एक अलग अधिसूचना में कहा कि उसने वार्षिक निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) रिटर्न दाखिल करने के लिए एक ऑनलाइन मॉड्यूल शुरू किया है। आरओडीटीईपी के तहत कच्चे माल उत्पादों पर लगाए गए विभिन्न केंद्रीय और राज्य शुल्क, कर और शुल्क, निर्यातकों को वापस कर दिए जाते हैं। अभी आरओडीटीईपी की दरें 0.3 फीसदी से 4.3 फीसदी के बीच हैं। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-नवंबर के दौरान इन वस्तुओं का आयात 4.6 लाख डॉलर रहा है। इन वस्तुओं को मुख्य रूप से फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग और यूके से आयात किया जाता है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय
DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE

भारत अभूतपूर्व गति, पैमाने और दायरे के साथ वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी : जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत अभूतपूर्व गति, पैमाने और दायरे के साथ वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है। ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के तीसरे भारत ऊर्जा परिवर्तन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने फिक्की हाउस में आयोजित सम्मेलन के दौरान भारत की ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति पर जोर देते हुए विश्वास व्यक्त किया। उन?होंने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता हासिल कर लेगा, जो 2047 तक 1800 गीगावाट क्षमता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। जोशी ने इस अवसर पर पॉवरिंग इंडियाज एनर्जी ट्रांजिशन का भी विमोचन किया। सम?मेलन को संबोधित करते हुए उन?होंने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विकास की गति, पैमाने और दायरे के बारे में बात की। जोशी ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल महत्वाकांक्षी ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि उन्हें रिकॉर्ड

गति से प्राप्त भी किया है। भारत ने पहले ही लगभग 100 गीगावाट सौर क्षमता हासिल कर ली है, जबकि आने वाले वर्षों में सालाना 50 गीगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की तैयारी है। पिछले दस वर्षों में भारत की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में लगभग 200 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 2014 में 75.52 गीगावाट से बढ़कर आज 220 गीगावाट हो गई है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए शुल्क में 80 फीसदी की कमी आई है, जो 2010-11 में 10.95 रुपये प्रति यूनिट से घटकर केवल 2.15 रुपये प्रति यूनिट रह गया है, जिससे भारत किफायती अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बन गया है। जोशी ने कहा कि भारत ने न केवल महत्वाकांक्षी ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि उन्हें रिकॉर्ड गति से हासिल भी कर रहा है।

प्रल्हाद जोशी ने प्रयागराज के लिए हवाई किराये में वृद्धि पर डीजीसीए को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्री प्रहलाद जोशी ने महाकुंभ मेले के दौरान प्रयागराज के लिए हवाई किराये में वृद्धि का मुद्दा नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के समक्ष उठाया है। उन्होंने डीजीसीए को लिखे पत्र में 'अत्यधिक' हवाई किराये को तर्कसंगत बनाने को कहा है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के आयोजन से हवाई किराये में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ के अत्यधिक हवाई किराये पर चिंता व्यक्त करते हुए 'एक्स' पोस्ट पर लिखा है कि, इससे श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक समागम में हिस्सा लेना मुश्किल हो रहा है। जोशी ने आगे कहा कि, ''हवाई किराया ज्यादा महंगा होने से लोगों का महाकुंभ में आने के लिए योजना बनाना मुश्किल हो गया है।'' उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए हमने हवाई किराये की कीमतों को कम करने के लिए कदम उठाने के लिए डीजीसीए को पत्र लिखा है। इससे पहले नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के लिए हवाई किराये को

तर्कसंगत बनाने के कदम उठाए जा रहे हैं। डीजीसीए अधिकारियों ने पिछले हफ्ते विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की है, जिसमें उनसे अधिक उड़ानों का संचालन करने और टिकट की कीमतों को ज्यादा तर्कसंगत बनाने का आग्रह किया गया है।उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में यात्रा मंच इक्सिगो ने कहा था कि प्रयागराज महाकुंभ 2025 के लिए उड़ानों की बुकिंग के साथ-साथ हवाई किराये भी कई गुना बढ़ गए हैं, क्योंकि बहुत ज?यादा लोग महाकुंभ के लिए यात्रा कर रहे हैं। दिल्ली-प्रयागराज उड़ानों के लिए हवाई टिकट की कीमतें 21 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

सीबीआईसी ने 2,246 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त नशीली दवाएं नष्ट कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 2,246 करोड़ रुपये मूल्य की 10,413 किलोग्राम जब्त नशीली दवाएं और 94.62 लाख गोलियां नष्ट की है। यह नशीली दवाएं 11 से 26 जनवरी के बीच चलाए गए अभियान के दौरान बरामद की गई थीं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सीबीआईसी के क्षेत्रीय दस्तों ने 11 से 26 जनवरी तक चलाए गए अभियान के दौरान करीब 7,844 किलो ग्राम गांजा, 1,724 किलो ग्राम मेथाक्वालोन (मैंड्रैक्स), 560 किलो ग्राम हशीश/चरस, 130 किलो ग्राम मेथामफेटामाइन, 105 किलो ग्राम केटामाइन, 23 किलो ग्राम हेरोइन, 20 किलो ग्राम कोकीन, 7 किलो ग्राम एमडीएमए, 94.16 लाख ट्रामाडोल एचसीएल गोलियां, 46,000 अल्प्राजोलम गोलियां और विभिन्न दवाओं के इंजेक्शन के 586 एम्पुल को नष्ट किए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि नष्ट किए गए एनडीपीएस का अवैध अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 2246 करोड़ रुपये है। पूरे भारत में

कई स्थानों पर सुरक्षित और गैर-खतरनाक तरीके से इसे नष्ट किया गया है। ड्रग डिस्पोजल अभियान न केवल एनडीपीएस तस्करी से निपटने के लिए सीबीआईसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि इसका उद्देश्य इस संबंध में सीबीआईसी की पहलों के बारे में जनता के बीच जागरुकता को बढ़ावा देना भी है।

सीआईआई उत्तराखंड के औद्योगिक शिखर सम्मेलन और एक्सपो के छठे संस्करण का शुभारंभ

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तराखंड सरकार और भारतीय उद्योग परिसंघ के संयुक्त तत्वावधान में सीआईआई उत्तराखंड औद्योगिक शिखर सम्मेलन और एक्सपो के छठे संस्करण का आयोजन किया गया। सिडकुल हरिद्वार में हुए इस आयोजन का उद्घाटन महानिदेशक एवं आयुक्त उद्योग और प्रबंध निदेशक सिडकुल प्रतीक जैन ने किया।

एक्सपो और शिखर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए प्रतीक जैन ने कहा कि उत्तराखंड को ईओडीबी रैंकिंग और स्टार्टअप रैंकिंग में अग्रणी स्थान दिया गया है। उन्होंने बताया कि उद्योगों को सभी स्वीकृतियां 15 दिन की समय-सीमा में मिल जाती हैं। हरिद्वार में एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो बन रहा है तथा खानपुर हरिद्वार, खुरपिया और पराग फार्म में लैंडबैंक बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने के लिए सेलाकुई, हरिद्वार और पंतनगर में फ्लैट फैक्टरियां स्थापित की जा रही हैं एमएसएमई और विक्रेता विकास कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने वाले इस बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) औद्योगिक शिखर सम्मेलन का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है। भारतीय रेलवे रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स, आरडीएसओ लखनऊ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, पीटीसीयूएल गुरुवार को एमएसएमई एंटरप्रेन्योर के साथ बातचीत करेंगे।500 वर्ग मीटर में फैला और 50 प्रदर्शकों की उपस्थिति वाला यह शिखर सम्मेलन विनिर्माण प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डालता है। यह बड़े उद्योगों और एमएसएमई के बीच संबंध बनाने, व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने और उद्योग प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सीआईआई उत्तराखंड के अध्यक्ष और एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक कनिष्क जैन ने इस बात पर जोर दिया कि औद्योगिक शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई को व्यवसाय विकास में समर्थन देना और उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इंडस्ट्रियल समिट एंड एक्सपो के चेयरमैन और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड हरिद्वार के प्लांट हेड यशपाल सरदाना ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी टेक्नोलॉजी कैसे काम करती हैं। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन उद्योग को सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने और उनकी बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इस अवसर पर सीआईआई शिक्षा और कौशल पैनल के सह संयोजक और रूड़की इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सीआईआई उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा और एसएमएयू, आरएसएसआईए, बीआईडीडब्ल्यूए और एसईडब्ल्यूए सहित औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भविष्य के व्यवसायों के लिए नवाचार पर सम्मेलन को 20 से अधिक वक्ताओं ने संबोधित किया और 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

केंद्र ने लेबलिंग प्रावधानों में संशोधनों के अनुपालन के लिए संरचित समय-सीमा की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेबलिंग प्रावधानों में संशोधनों के अनुपालन के लिए संरचित समय-सीमा की घोषणा की है। यह निर्णय लेबलिंग संशोधनों के अनुपालन के लिए सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करता है, तथा व्यवसायों को अनुकूलन के लिए पर्याप्त समय प्रदान करता है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि व्यापार और उपभोक्ता संरक्षण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम के रूप में केंद्र ने विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के तहत संशोधनों को लागू करने के लिए एक संरचित समय-सीमा पेश की है। मंत्रालय के मुताबिक नए ढांचे के तहत लेबलिंग प्रावधानों में कोई भी संशोधन किसी दिए गए वर्ष की एक जनवरी या 1 जुलाई को प्रभावी होगा। यह अधिसूचना की तारीख से 180 दिनों की न्यूनतम नोटिस अवधि के अधीन होगा।

उपभोक्ता मामले विभाग
DEPARTMENT OF CONSUMER AFFAIRS
सत्यमेव जयते

इसको संरचित दृष्टिकोण उपभोक्ता हितों की रक्षा करते हुए व्यवसायों के लिए स्पष्टता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह निर्णय व्यापार में आसानी सुनिश्चित करने और व्यवसायों के लिए अनुपालन बोझ को कम करने के साथ-साथ उपभोक्ता कल्याण के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक असाधारण या अपवाद की स्थितियों में संशोधनों के कार्यान्वयन के संबंध में निर्णय मामला-दर-मामला आधार पर किये जा सकते हैं, जिससे जनहित से समझौता किए बिना समयबद्ध और व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित हो सके। ये निर्णय उपभोक्ता संरक्षण और कारोबार में आसानी के बीच संतुलन बनाने तथा उद्योग हितधारकों पर अनुपालन बोझ कम करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

मारुति सुजुकी इंडिया को तीसरी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमआईएस) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 16 फीसदी बढ़कर 3,727 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 3,207 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 38,764 करोड़ रुपये हो गई, जो विगत वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में 33,513 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सुजुकी मोटर गुजरात को

मोटर वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी में विलय करने की योजना को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची को 1 अप्रैल, 2025 से तीन वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची की पुनर्नियुक्ति को दी मंजूरी

नई दिल्ली। देश की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमआईएसएल) के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची को प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। हिसाशी ताकेउची की यह नियुक्ति एक अप्रैल से तीन साल की अवधि के लिए होगी। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि निदेशक मंडल ने 29 जनवरी को एक बैठक में 31 मार्च, 2028 तक तीन साल की अतिरिक्त अवधि के लिए हिसाशी ताकेउची की एमडी एवं सीईओ के रूप में नियुक्त के प्रस?ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने हिसाशी टेकाउची को पहली बार एक अप्रैल, 2022 से तीन साल के लिए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया था। वे जुलाई, 2019 से मारुति सुजुकी के बोर्ड में हैं। इससे पहले वे अप्रैल, 2021 से अपनी पदोन्नति तक संयुक्त प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक) थे। हिसाशी टेकाउची वर्ष 1986 में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन (एसएमसी) में शामिल हुए। उन्हें एसएमसी के अंतरराष्ट्रीय परिचालन के साथ-साथ विदेशी बाजारों में भी व्यापक अनुभव है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में मजबूती, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। इंडेक्स शेयरों के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी आज जोरदार तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण निवेशकों को एक दिन में ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 8 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 416.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 409 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.94 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,082 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,979 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,009 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,152 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 406 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.83 अंक की तेजी के साथ 76,138.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक फिसल कर 75,975.80 अंक के स्तर तक आ गया।

फिलीपींस के चाइनाटाउन में आग लगने से दो लोगों की मौत

एजेंसी

मनीला। चीनी नव वर्ष के मौके पर तड़के फिलीपींस के चाइनाटाउन में एक कॉन्डोमिनियम इमारत में आग लगने के बाद दो लोगों की आग में झुलसने से मौत हो गई। अग्नि सुरक्षा ब्यूरो ने यह जानकारी दी। ब्यूरो ने कहा कि आग मनीला शहर के बिनोंडो जिले में बुधवार स्थानीय समयानुसार सुबह 3:41 बजे 56 मंजिला कॉन्डोमिनियम की 35वीं मंजिल पर लगी। ब्यूरो ने बताया कि पीड़ित महिलाएं गृह परिचारिकाएं थीं और वे घटना के समय कमरे में सो रही थीं। छह अन्य निवासी जलती हुई इकाई से बाहर निकलने में कामयाब रहे। अग्निशमनकर्मी उन पीड़ितों को बचाने में विफल रहे, जो दुर्घटना के दौरान गहरी नींद में सो रही थीं। अग्निशमन कर्मियों ने एक घंटे से भी कम समय में आग पर काबू पा लिया, जिससे इसे अन्य इकाइयों में फैलने से रोका जा सका। अग्निशमन कर्मी कथित तौर पर आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

अफ़ग़ानिस्तान में 10 नागरिकों की गोली मारकर हत्या

खोस्त (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत खोस्त में मंगलवार रात अज्ञात हथियारबंद लोगों ने 10 नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुस्तगफर गरबाज़ ने यह जानकारी दी। यह भीषण घटना रात अली शिर जिले में हुई, जब अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक घर में घुसकर गोलीबारी की, जिसमें आठ महिलाओं और बच्चों सहित 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। श्री गरबाज़ ने कहा कि इन हत्याओं के पीछे के लोगों को गिरफ्तार करने और न्याय के कठघरे में लाने के प्रयास जारी हैं।

रूस ने परमाणु संयंत्र पर यूक्रेनी ड्रोन हमले को किया विफल

मास्को। रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के प्रयास के दौरान एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया है। क्षेत्रीय गवर्नर वसीली अनोखिन ने यह अनोखिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कई नागरिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला हुआ है। एक ड्रोन को परमाणु ऊर्जा सुविधा पर हमला करने के प्रयास के दौरान गिराया गया।

रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने 104 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने कुर्स्क, ब्रांस्क, स्मोलेंस्क, ट्वेर, बेलगोरोड, निज़नी नोवगोरोड, कलुगा, रोस्तोव और लेनिनग्राद क्षेत्रों में बीती रात को 104 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, पिछली रात के दौरान, वायु रक्षा प्रणालियों ने 104 यूक्रेनी मानव रहित हवाई वाहनों को रोका और नष्ट कर दिया, कुर्स्क क्षेत्र में 47, ब्रांस्क क्षेत्र में 27, स्मोलेंस्क क्षेत्र में 11, ट्वेर क्षेत्र में सात, बेलगोरोड क्षेत्र में चार, निज़नी नोवगोरोड क्षेत्र में तीन, कलुगा क्षेत्र में तीन, रोस्तोव क्षेत्र में एक और लेनिनग्राद क्षेत्र में एक ड्रोन नष्ट किया गया।

जयशंकर ने दुबई के क्राउन प्रिंस से मुलाकात की

एजेंसी

अबू धाबी/नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा पर गए विदेश मंत्री डा0 एस जयशंकर ने दुबई के क्राउन प्रिंस और उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से इस वर्ष अप्रैल में भारत आने का निमंत्रण दिया। दुबई के क्राउन प्रिंस के कार्यालय से जारी बयान के अनुसार 'शेख हमदान को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से इस वर्ष अप्रैल में देश आने का आधिकारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने आज एचएच शेख हमदान के साथ बैठक के दौरान दिया।' बयान में कहा गया 'डॉ. जयशंकर और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए एचएच शेख हमदान ने आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और विकासात्मक क्षेत्रों में यूएई और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों में निहित मजबूत संबंधों की पुष्टि की।

उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति एचएच शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और भारत के प्रधानमंत्री महामहिम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यूएई-भारत संबंधों के निरंतर विकास पर भी प्रकाश डाला। बयान में कहा गया कि 'बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने अपने बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों की खोज की जिसमें दोनों देशों की भविष्य की आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चाओं में व्यापार प्रवाह और निवेश के अवसरों को बढ़ाने के लिए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) का और अधिक लाभ उठाकर आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया गया।' विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के डीपीएम और रक्षा मंत्री एचएच हमदानमोहम्मद से मिलकर खुशी हुई। 'दोस्ती के हमारे गहरे बंधनों और हमारे लोगों की भलाई के लिए उन्हें आगे बढ़ाने पर गर्मजोशी से बातचीत हुई।' यूएई के रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा ॅआज मैंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर से मुलाकात की ताकि यूएई-भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जा सके। उन्होंने कहा कि मुझे भारत के प्रधानमंत्री से अप्रैल में देश का दौरा करने का निमंत्रण मिलने पर खुशी हुई। हमारे नेतृत्व द्वारा निर्देशित हमारे देशों के बीच स्थायी संबंधों ने यूएई-भारत संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने पोस्ट में कहा 'हमारी साझेदारी द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में कार्य करती है जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता में योगदान देती है।

इराक में नौ ड्रग डीलरों को मृत्युदंड

एजेंसी

बगदाद। इराक की अदालत ने नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में नौ ड्रग डीलरों को मौत की सजा सुनायी।सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल के बयान के मुताबिक सेंट्रल क्रिमिनल कोर्ट ने विभिन्न प्रकार के 186 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किये जाने के बाद नौ ड्रग डीलरों को फांसी की सजा देने का फैसला सुनाया। वर्ष 2003 में अमेरिकी हमले के बाद इराक में व्याप्त अराजकता और संघर्ष के कारण नशीले पदार्थों के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने में इराकी सरकारों के समक्ष बाधाएं आयी। मई 2023 में इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने 'नशीले पदार्थ पर युद्ध' छेड़ने को अनिवार्य बताते हुए कहा था कि ड्रग डीलिंग आतंकवाद को वित्तपोषित करने के मुख्य तरीकों में से एक है और इसी आतंकवाद की छाया में नशीले पदार्थों प्रचलन फल-फूल रहा है।

अमेरिका में सैन्य हेलीकॉप्टर से टक्कर के बाद 64 लोगों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ा विमान हादसा हुआ है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के अनुसार राजधानी के जेट रीगन हवाई अड्डे के पास एक ब्लैक हॉक सैन्य हेलीकॉप्टर से यात्री विमान टकरा गया है। 64 लोगों को ले जा रहा अमेरिकन एयरलाइंस का यह जेट दुर्घटनाग्रस्त होकर पोटोमैक नदी में गिर गया। इसमें 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य शामिल हैं। हादसे के बाद जेट रीगन हवाई अड्डे को बंद कर दिया है। सैन्य हेलीकॉप्टर में तीन लोग सवार थे। यूएसए टुडे समाचार पत्र की खबर के अनुसार, यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। अधिकारियों ने कहा, पोटोमैक नदी में बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बयान में कहा कि पीएसए एयरलाइंस बॉम्बार्डियर

सीआरजे700 क्षेत्रीय जेट सिकोरस्की एच-60 हेलीकॉप्टर के साथ हवा में टकरा गया। यह यात्री विमान विचिटा (कंसास) से रवाना हुआ था। रीगन नेशनल एयरपोर्ट ने बयान में कहा कि सभी टेकऑफ और लैंडिंग रोक दी गई हैं। एक्स पर डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया फायर एंड इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज डिपार्टमेंट ने कहा कि विमान पोटोमैक नदी में गिरा है। फायरबोट नदी में हैं। फिलहाल हताहतों की संख्या के बारे में कोई पुष्ट जानकारी नहीं है।मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, स्थानीय पुलिस और अन्य एजेंसियां एयरपोर्ट में हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच कर रहा है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हादसे की जानकारी दी गई है।

कांगो के गोमा शहर पर एम23 विद्रोहियों का कब्जा, भारतीय शांति सैनिक भी घिरे

एजेंसी

किंशासा। अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के पूर्वी शहर गोमा पर एम23 विद्रोहियों का कब्जा हो चुका है। रिपोर्टों के अनुसार, इन विद्रोहियों को पड़ोसी देश रवांडा का समर्थन प्राप्त है। इस संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में तैनात भारतीय सेना के मेडिकल कोर के 80 अधिकारी और सैनिक फंस गए हैं। विद्रोहियों ने लेवल-3 फील्ड हॉस्पिटल वाले कैंप को घेर लिया है, जहां भारतीय सैनिक तैनात हैं।

गोमा में लगातार गोलीबारी और रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) हमले हो रहे हैं, जिससे हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह हमला न केवल शांति मिशन के लिए खतरा है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए भी विनाशकारी साबित हो सकता है।

विद्रोहियों ने गोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी कब्जा कर लिया है, जिससे इस क्षेत्र में बाहर से किसी भी तरह की सहायता पहुंचना लगभग असंभव हो गया है। इस एयरपोर्ट का नियंत्रण खोने से संयुक्त राष्ट्र और अन्य राहत संगठनों की आपूर्ति रुक सकती है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है।

अमेरिका ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए रवांडा को कड़ी चेतावनी दी है। वॉशिंगटन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस हमले को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है। साथ ही, अफ्रीकी संघ ने भी एम23 विद्रोहियों से कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटने की मांग की है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी कांगो इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमें कांगो में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। हम सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। बतादें कि कांगो के उत्तर किवु प्रांत की राजधानी गोमा शहर, पहले से ही संघर्ष और हिंसा से जूझ रहा है। इस शहर की आबादी करीब 20 लाख है और विद्रोही तेजी से यहां अपना नियंत्रण मजबूत कर रहे हैं। झील किनारे बसे इस शहर में अब भी अलग-अलग हिस्सों में गोलीबारी और बम धमाकों की आवाजें सुनी जा रही हैं। तुत्सी जनजाति के लोग एम23 विद्रोहियों के गुट का नेतृत्व करते हैं। इन विद्रोहियों को रवांडा का समर्थन प्राप्त है। इस विद्रोही गुट का गठन 30 साल पहले रवांडा में हुए नरसंहार के बाद हुआ था, जिसने कांगो को हिलाकर रख दिया था।

मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करे अमेरिका : अफगानिस्तान

एजेंसी

काबुल। अफ़गानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने अमेरिका से आह्वान किया है कि वह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय राजनीति और मानवीय मुद्दों के बीच अंतर करे तथा मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करे।

स्थानीय मीडिया आउटलेट टोलोन्यूज़ ने मंगलवार अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अफगानी अर्थव्यवस्था मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि अमेरिका और अन्य देश मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करें।' अमेरिका के विदेशी सहायता कार्यक्रम को 90 दिनों के लिए निलंबित करने के संबंध में उन्होंने कहा कि यह निर्णय कुछ सहायता एजेंसियों की गतिविधियों को कमज़ोर करेगा। विदेशी सहायता कार्यक्रमों पर अमेरिकी निर्णय के बाद लगभग 50 सहायता एजेंसियों ने कथित तौर पर अफ़गानिस्तान में गतिविधियाँ बंद कर दी हैं।

सर्बिया के प्रधानमंत्री ने जन-विरोध के बाद इस्तीफा दिया

एजेंसी

बेलग्रेड। सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने रेलवे स्टेशन की छतरी के गिरने की घटना पर देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। श्री वुसेविक ने कहा कि उन्होंने चीजों को और जटिल होने से बचाने तथा समाज में तनाव को अधिक न बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है।

उल्लेखनीय है कि गत नवंबर में नोवी सैड शहर में रेलवे स्टेशन की छतरी गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार तब से हजारों लोग नियमित रूप से सड़कों पर थे। प्रदर्शनकारी इस घटना के लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने मंगलवार देर रात एक टीवी संबोधन में कहा कि

वह अगले 10 दिनों के भीतर यह तय करेंगे कि संसदीय चुनाव कराए जाएं या नई सरकार बनाई जाए। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार नोवी सैड घटना के सिलसिले में एक दर्जन से अधिक लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। जिनमें पूर्व परिवहन मंत्री गोरान वेसिक भी शामिल हैं। जिन्होंने घटना के कुछ दिनों बाद इस्तीफा दे दिया था।राष्ट्रपति के एक भरोसेमंद सहयोगी श्री वुसेविक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का उनका फैसला प्रदर्शनकारियों को ÷भावनाओं को शांत करने और बातचीत पर लौटने÷ के लिए प्रोत्साहित करेगा। लेकिन अगर नेशनल असेंबली द्वारा इस्तीफे की पुष्टि के 30 दिनों के भीतर नया प्रधानमंत्री नियुक्त नहीं किया जाता है तो यह संसदीय चुनावों का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है। विपक्षी दल एक संक्रमणकालीन सरकार की मांग कर रहे हैं जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए परिस्थितियाँ बन सकती हैं। लेकिन श्री वुसिक ने उन मांगों को खारिज करते हुए कहा कि सर्बियाई लोग सत्ता में सामान्य लोगों को देखना चाहते हैं, न कि ऐसे राजनेताओं को जिन पर भरोसा नहीं है।

कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स का दो विमान अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को लेकर स्वदेश पहुंचा

एजेंसी

बोगोटा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा है कि अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को लेकर कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स के दो विमान मंगलवार को देश की राजधानी बोगोटा में उतरे। श्री पेट्रो के निर्देश पर कोलंबियाई नागरिकों को ह्यूस्टन, टेक्सास और सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से उठाया गया। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ÷वे कोलंबियाई हैं, वे स्वतंत्र और सम्मानित हैं और वे अपनी मातृभूमि में हैं, जहां उन्हें प्यार किया जाता है। प्रवासी कोई अपराधी नहीं है, वह एक इंसान है जो काम करना और प्रगति करना चाहता है। श्री पेट्रो ने रविवार को निर्वासित लोगों को ले जा रहे अमेरिकी सैन्य विमानों के प्रवेश से इनकार कर दिया और कहा कि उनके साथ अपराधियों जैसा

व्यवहार किया जा रहा है। इस कदम पर उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रम्प ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये सभी कोलंबियाई सरकारी अधिकारियों के वीजा रद्द करने और कोलंबिया से आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी।इसके बाद दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि कोलंबियाई विमान निर्वासित लोगों को बिना हथकड़ी के, सुरक्षित और सम्मानजनक परिस्थितियों में ले जाएंगे, जैसा कि कोलंबिया की सरकार ने अनुरोध किया था। कोलंबियाई परिवार कल्याण संस्थान ने बताया कि निर्वासित कोलंबियाई लोगों में 26 नाबालिग थे।

कोलंबियाई आव्रजन अधिकारी और चिकित्सा कर्मी निर्वासित लोगों के साथ यात्रा कर रहे थे, जिन्हें कोलंबियाई समाज में फिर से शामिल होने में मदद करने के लिए एक विशेष क्रेडिट कार्यक्रम का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों में कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स द्वारा बिना दस्तावेज वाले अधिक प्रवासियों को वापस लाने की उम्मीद है क्योंकि नए अमेरिकी प्रशासन ने अनियमित प्रवास पर नकेल कसी है।

अमेरिका में जसवंत सिंह खालड़ा के नाम पर होगा स्कूल का नाम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सेंट्रल यूनिफाइड ने नए प्राथमिक विद्यालय का नाम पंजाब के प्रसिद्ध मानव अधिकार कार्यकर्ता जसवंत खालड़ा के नाम पर रखने की मंजूरी प्रदान कर दी है। मंगलवार की रात हुई बैठक में बोर्ड ने निर्णय लिया कि शील्ड्स और ब्रॉली में स्थित विद्यालय का नाम अब जसवंत सिंह खालड़ा प्राथमिक विद्यालय रखा जाएगा। जसवंत सिंह खालड़ा इन दिनों इसलिए चर्चा में है कि उनके जीवन पर आधारित पंजाबी फिल्म बनी है। स्कूल का नाम खालड़ा के नाम पर रखने के बारे में भी पंजाबी फिल्म अभिनेता दलजीत दोसांझ ने जानकारी साझा की। दलजीत ने इस संबंध में अमेरिका में हुए निर्णय को लेकर कुछ वीडियो तथा फोटोग्राफ भी साझा किए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया। सिर्फ एक सदस्य ने मतदान में भाग नहीं लिया। बोर्ड के अध्यक्ष नैनदीप सिंह ने कहा कि खालड़ा सेंट्रल वैली में पंजाबी

समुदाय के लिए एक प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि खालड़ा की बेटी फ्रेस्नो स्टेट गई थीं और उनका परिवार इस क्षेत्र में रहता है। सिंह ने कहा कि यह सिख पंजाबी समुदाय के लिए मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसा है। एक व्यक्ति जो सरकारी उत्पीड़ने के खिलाफ लड़ रहा था और अंततः उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ी। सिंह ने कहा कि खालड़ा आतंकवाद के दौर में एक बैंक के निदेशक थे, लेकिन जल्द ही मानवाधिकार कार्यकर्ता के रूप में अपने काम के लिए विश्व स्तर पर जाने जाने लगे। 1995 में अपनी हत्या से कुछ समय पहले दिए गए अपने अंतिम भाषण में उन्होंने उन अवैध हत्याओं पर चर्चा की, जिनका उन्होंने पता लगाया था।

सऊदी अरब में सड़क हादसे में 9 भारतीयों की दुखद मौत, दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

जेद्दा। सऊदी अरब के जीजान शहर में एक भीषण सड़क दुर्घटना में नौ भारतीय नागरिकों की दुखद मौत हो गई।

इस हादसे को लेकर जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गहरा शोक व्यक्त किया है और पीड़ितों के परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास ने संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर लिया है और दुर्घटना से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है।

जरूरतमंद लोग निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

टोल-फ्री नंबरः 8002440003
फोन नंबरः 0122614093, 0126614276
व्हाट्सएप नंबरः 0556122301

इस घटना पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी गहरी संवेदना व्यक्त की है और आश्वासन दिया है कि भारत सरकार प्रभावित परिवारों को पूरा सहयोग प्रदान करेगी। भारतीय दूतावास ने कहा है कि वे लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं। इस कठिन समय में सरकार और संबंधित अधिकारी पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं।

लेबनान पर इजरायली हमलों में 18 घायल

एजेंसी

बेरूत/यरुशलम। दक्षिणी लेबनान में अलग-अलग इजरायली हमलों में 18 लोग घायल हो गए। लेबनानी चिकित्सा और सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। लेबनानी सेना के मार्गदर्शन निदेशालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में यारून-मरून अल-रास सड़क पर सेना के जवानों और नागरिकों पर गोलीबारी की। इस हमले में तीन नागरिक और एक सैनिक घायल हुए हैं। सैनिक उन निवासियों के साथ था, जो दक्षिणी सीमा के कस्बों में लौट रहे थे। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि मंगलवार शाम को एक इजरायली ड्रोन ने नबातिह अल-फौका राजमार्ग पर फलों और सब्जियों के परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक पिकअप ट्रक पर मिसाइल दागी, जिससे ट्रक नष्ट हो गया और कई लोग घायल हो गए। एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र ने शिन्हुआ को बताया कि घायलों को लेबनानी रेड क्रॉस एम्बुलेंस द्वारा नबातीह के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। एनएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग एक घंटे बाद, एक अन्य इजरायली ड्रोन ने दो किमी से भी कम दूरी पर ज़ावतार-नबातिह अल-फौका रोड पर 'फराह रेस्ट स्टॉप' के आसपास के क्षेत्र को निशाना बनाते हुए दूसरा हमला किया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, शाम को हुए दो हमलों में 14 लोग घायल हो गए। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने इन ताजा हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इजरायली आक्रमण लेबनान की संप्रभुता का एक और उल्लंघन है और यह युद्धविराम समझौते तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का खुला उल्लंघन है। श्री मिकाती के कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने युद्धविराम निगरानी समिति के प्रमुख, अमेरिकी जनरल जैस्पर जेफर्स से संपर्क किया और इजरायल को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए सख्त रुख अपनाने का आग्रह किया। इजरायली सेना ने एक बयान में पुष्टि की कि उसने दक्षिणी लेबनान में एक ट्रक और एक अन्य वाहन पर हवाई हमले किए। सेना का दावा है कि ये वाहन लेबनानी सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के थे और शकीफ तथा नबातिया क्षेत्रों में हथियार ले जा रहे थे। इसी बीच, कल लेबनानी सेना ने घोषणा की कि इजरायली सेना की वापसी के बाद उसने लितानी नदी के दक्षिण में स्थित पश्चिमी और केंद्रीय क्षेत्रों के गांवों में अपनी इकाइयों की तैनाती कर दी है। लेबनानी क्षेत्रों से रविवार को इजरायल की वापसी के लिए 60 दिनों की समय सीमा समाप्त हो गई। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच लगभग 14 महीने के संघर्ष के बाद पिछले साल नवंबर के अंत में हुए युद्धविराम समझौते के तहत, लेबनानी सेना को लितानी नदी के दक्षिणी इलाकों का नियंत्रण संभालना था। सेना को इन क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी थी और वहां किसी भी तरह के हथियारों और लड़ाकों की मौजूदगी को रोकना था। समझौते के बावजूद, इज़रायली सेना ने लेबनान में हमले जारी रखे हैं।

रामेश्वरम से जुड़ने वाले पुल का पुनर्निर्माण, नया पंबन रेलवे पुल ले रहा है आकार

रामनाथपुरम। दूर से आती ट्रेनों की आवाज़, हवा की तेज़ रफ़्तार और नीचे समुद्र की लयबद्ध गति - पंबन रेलवे पुल लंबे समय से भारतीय मुख्य भूमि और रामेश्वरम द्वीप के बीच यात्रा करने वाले अनगिनत यात्रियों की यात्रा का मूक गवाह रहा है। एक सदी से भी ज़्यादा समय से, यह प्रतिष्ठित संरचना रामेश्वरम के छोटे से शहर को तमिलनाडु के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करती रही है। लेकिन अब, तूफ़ानों और समय की मार झेलने वाले इस पुल में एक उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है, जो इस ऐतिहासिक इंजीनियरिंग चमत्कार को देखने के हमारे नज़रिए को बदलने का वादा करता है।

2019 में स्वीकृत पंबन रेलवे पुल का पुनर्निर्माण, एक परियोजना है जो धीरे-धीरे पूरी होने की ओर बढ़ रही है। नवंबर 2024 तक, यह 2.10 किलोमीटर लंबा पुल एक बार फिर से ट्रेनों का स्वागत करने के लिए तैयार हो जाएगा, हालाँकि इस बार, एक आधुनिक स्पर्श के साथ। दशकों तक अपने उद्देश्य को पूरा करने वाली पुरानी मैनुअल लिफ्टिंग प्रणाली अब नहीं रहेगी। इसकी जगह, ट्रेन नियंत्रण तंत्र के साथ एकीकृत एक उन्नत इलेक्ट्रो-मैकेनिकल नेविगेशनल स्पैन सिस्टम सुचारू और अधिक कुशल संचालन सुनिश्चित करेगा।

भविष्य के लिए एक दृष्टि के साथ बनाया गया, नया पुल न केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि कल की मांगों को भी पूरा करेगा। भविष्य की डबल-लाइन विद्युतीकरण का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की ओर एक कदम है। इस संरचना का निर्माण 531 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जो परियोजना के पैमाने और महत्व का प्रमाण है।

जेके ने सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है: जावेद डार

जम्मू 30 जनवरी। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने 'सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है' थीम के तहत 2025 को सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है, सहकारिता, कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा जम्मू-कश्मीर ने किसानों और ग्रामीण समुदायों के कल्याण और प्रगति के लिए सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर सहकारी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और जम्मू-कश्मीर भी इस क्षेत्र को बढ़ावा देने पर

उत्सुकता से ध्यान केंद्रित कर रहा है और यूएनओ द्वारा तय की गई थीम के तहत सभी गंभीर प्रयास किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि 1746.27 लाख रुपये की लागत से 537 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों का कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा, जिससे जम्मू-कश्मीर में सहकारी क्षेत्र को काफी मजबूती मिलेगी। पैक्स के डिजिटलीकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि इससे परिचालन दक्षता बढ़ी है, पारदर्शिता में सुधार हुआ है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है, जिससे किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित हुआ है।

केंद्रीय मंत्रालय के तहत, पूरे क्षेत्र में सहकारी संस्थानों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए यूटी स्तरीय समग्र कृषि विकास कार्यक्रम सहित परिवर्तनकारी पहलों की एक श्रृंखला लागू की गई है। लोगों तक स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार करते हुए, पीएसीएस के माध्यम से 46 प्रधान मंत्री जन औषधि केंद्रों की स्थापना की गई है, जिससे सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हो रही हैं और ग्रामीण आबादी के लिए स्वास्थ्य देखभाल लागत कम हो गई है।

मंत्री ने कहा कि 144 प्रधान मंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के लॉन्च के साथ सहकारी नेटवर्क को और मजबूत किया गया है, जो वन-स्टॉप कृषि सेवा केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

मंत्री ने कहा, फ्रये केंद्र कृषि उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ावा देने और आवश्यक संसाधनों और ज्ञान के साथ किसानों को सशक्त बनाने के लिए किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक और विशेषज्ञ सलाहकार सेवाएं प्रदान करते हैं।

डिजिटल समावेशन की दिशा में एक बड़े कदम में, ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन को पाटते हुए, पैक्स के माध्यम से 480 सामान्य सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं। मंत्री ने कहा, फ्रये केंद्र ऑनलाइन सरकारी सेवाओं, ई-गवर्नेंस प्लेटफार्मों, बैंकिंग और वित्तीय सहायता तक पहुंच प्रदान करते हैं, जिससे ग्रामीण आबादी को निर्बाध सेवा वितरण सुनिश्चित होता है।

इसके अतिरिक्त, किसानों के लिए बाजार पहुंच और सौदेबाजी की शक्ति बढ़ाने के लिए 61 पैक्स को किसान उत्पादक संगठनों में बदल दिया गया है। मंत्री ने कहा कि भंडारण क्षमता बढ़ाने, फ्रसल के बाद के नुकसान को कम करने और खाद्य सुरक्षा में सुधार के अलावा राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पोर्टल पर सहकारी समिति के रिकॉर्ड के व्यापक अद्यतनीकरण, अधिक पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए गोदाम निर्माण के लिए छह पैक्स की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के साथ-साथ निष्क्रिय सहकारी समितियों के पुनरुद्धार के लिए भी सफल प्रयास किये जा रहे हैं। लगभग छह सहकारी सुपर बाज़ारों को उन्नत किया गया है और सात और के निर्माण की योजना है। इसके अलावा, ब्लॉक मुख्यालयों पर तेरह सहकारी मिनी-सुपर बाज़ार भी विकसित किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पांच सहकारी स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं और विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में सुधार किया गया है।

मेथी की खेती का उन्नत तरीका

मेथी एक पत्तेदार वाली औषधीय फसल है। इसकी गिनती मसालेदार फसलों में होती है। मेथी का उपयोग सब्जी, अचार और लड्डू आदि बनाने में किया जाता है। भले ही इसके स्वाद में कड़वापन हो लेकिन इसके औषधीय गुणों को जानकार आप हैरान रह जाएंगे। इसका उपयोग डायबिटीज जैसे रोग को खत्म करने में किया जाता है। इसकी खुशबू काफी अच्छी होती है। यदि किसान मेथी की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो वे मेथी की खेती से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

आइए इस लेख मेथी की वैज्ञानिक खेती को विस्तार से जानें।

सबसे पहले यहां मेथी के पौधे के बारे में जान लेते हैं।

मेथी लिग्यूमनस परिवार का पौधा है, जो 1 फुट से छोटा होता है। इसकी पत्तियां साग बनाने के काम आती हैं। इसके दाने मसाले के रूप में प्रयुक्त होते हैं। मेथी दाने में सोडियम, जिंक, फॉस्फोरस, फॉलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, जैसे मिनरल्स और विटामिन ए, बी और सी भी पाए जाते हैं।

इसके अलावा इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर्स, प्रोटीन, स्टार्च, फॉस्फोरिक एसिड जैसे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। पेट संबंधी बीमारियों में यह काफी फायदेमंद है। इसके सेवन करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है। उच्च रक्तचाप (हाई बीपी), डायबिटीज व अपच में इसका उपयोग बहुत ही लाभकारी है। हरी मेथी ब्लड शुगर कम करने में मदद करती है। इस प्रकार इसका सेवन कई बीमारियों में इलाज के रूप में किया जाता है। हरी मेथी हो या दाना मेथी। दोनों प्रकार से इसका सेवन शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार है।

⏩ मेथी खाने के फायदे

भारत में मेथी उत्पादन की स्थिति

हमारे देश में पंजाब, राजस्थान, दिल्ली सहित तमाम उत्तरी भारत में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जाती है। देश में राजस्थान और गुजरात सर्वाधिक मेथी उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य हैं।

80 फीसदी से ज्यादा मेथी का उत्पादन राजस्थान में होता है। मेथी की फसल मुख्यत: रबी मौसम में की जाती है, लेकिन दक्षिण भारत में इसकी खेती बारिश के मौसम में की जाती है।

⏩ मेथी की खेती के लिए ज़रूरी जलवायु

मेथी की खेती के लिए ठंडी जलवायु अच्छी रहती है। इसकी फसल में पाला सहने की क्षमता अन्य फसलों की तुलना में अधिक होती है।

इसकी खेती के लिए औसत बारिश वाले इलाके सही रहते हैं अधिक बारिश वाले इलाकों में इसकी खेती नहीं की जा सकती है।

⏩ खेती के लिए उपयोगी मिट्टी

मेथी की खेती सभी तरह की मिट्टियों में की जा सकती है, लेकिन अच्छे जल निकास वाली चिकनी मिट्टी इसकी खेती के लिए ज्यादा उपयुक्त रहती है। मिट्टी का पीएच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

⏩ मेथी की खेती का समय

मैदानी इलाकों में इसकी बुआई सितंबर से मार्च तक और पहाड़ी इलाकों में इसे जुलाई से लेकर अगस्त तक की जा सकती है।

यदि आप इसकी खेती भाजी(साग) के लिए कर रहे हैं तो 8-10 दिनों के अंतर में बुआई करनी चाहिए। जिससे हर समय ताजा भाजी मिलती रहे। यदि इसके बीजों के लिए इसे बोना चाहते हैं तो इसकी बुआई नवंबर के अंत तक की जा सकती है।

⏩ खेती की तैयारी कैसे करें

• मेथी की बुआई से पूर्व खेत को अच्छी तरह तैयार कर ले।

• इसके लिए खेत की देशी हल या हैरो की सहायता से जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बना लें।

• जुताई के समय 150 क्विंटल गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से डालें।

• अगर खेत में दीमक की समस्या है, तो पाटा लगाने से पहले खेत में क्विनालफास 1.5 फीसदी या मिथाइल पैराथियान 2 फीसदी चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इसके बाद अच्छी तरह पाटा चलाए।

• इसकी एक एकड़ में बिजाई के लिए इसके 12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

• बिजाई से पहले बीजों को 8 से 12 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। बीजों को कीट और बीमारियों से बचाने के लिए थीरम 4 ग्राम और कार्बेनडाज़िम 50 प्रतिशत डब्लयु पी 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचार करें।

• रासायनिक उपचार के बाद एजोसपीरीलियम 600 ग्राम + ट्राइकोडरमा विराइड 20 ग्राम प्रति एकड़ से प्रति 12 किलो बीजों का उपचार करें।

• अधिकतर मेथी की बुआई छिडक़वा विधि से की जाती है। बुवाई के समय पंक्ति से पंक्ति के बीच की दूरी 22.5 सेंटीमीटर रखें और बैड पर 3-4 सेंटीमीटर की गहराई पर बीज बोएं।

• बुवाई के समय खेत में नमी होना आवश्यक है।

• मेथी की फसल के साथ इसकी मेड़ में मूली उगाकर भी कमाई की जा सकती है।

⏩ मेथी की उन्नत किस्में और उनकी विशेषताएं

भारत में मेथी की कई किस्में पाई जाती हैं। कई किस्मों को कृषि अनुसंधान केंद्रों ने अधिक पैदावार के लिए विकसित भी किया है।

आइए जानते है कुछ उन्नत किस्मों के बारे में जिनको लगाकर आप ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं।

⏩ पूसा कसूरी मेथी

यह किस्म भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली द्वारा विकसित की गई है। इस किस्म की खेती मुख्यत: हरी पत्तियों के लिए की जाती है। इसकी पत्तियां छोटी और हंसिए के आकार की होती हैं। इस में 2-3 बार कटाई की जा सकती है। इस किस्म की यह खूबी है कि इस में फूल देर से आते हैं और पीले रंग के होते हैं, जिन में खास किस्म की महक भी होती है। बोआई से लेकर बीज बनने तक यह किस्म लगभग 5 महीने लेती है। इस की औसत पैदावार 35-40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

⏩ आर.एम.टी 305

आर.एम.टी 305 बौनी किस्म की मेथी है। इस किस्म की फलियां जल्दी परिपक्व हो जाती हैं। इस किस्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह किस्म चूर्णिल फफूंद रोग एवं मूलगांठ सूत्रकृमि रोग नहीं लगते हैं। प्रति हेक्टेयर खेत से 20-30 क्विंटल तक पैदावार होती है।

⏩ पूसा अर्ली बंचिंग

मेथी की इस जल्द पकने वाली किस्म को भी आईसीएआर द्वारा विकसित किया गया है। इस के फूल गुच्छों में आते हैं। इस में 2-3 बार कटाई की जा सकती है। इस की फलियां 6-8 सेंटीमीटर लंबी होती हैं। इस किस्म का बीज 4 महीने में तैयार हो जाता है।

⏩ हिसार सोनाली

हरियाणा, राजस्थान एवं आसपास के क्षेत्रों में खेती करने के लिए हिसार सोनाली काफी उपयुक्त किस्म है। यह किस्म जड़ गलन रोग एवं धब्बा रोग के प्रति मध्यम सहनशील है। यह किस्म बुआई के 140 से 150 दिनों बाद परिपक्व हो जाती है। प्रति हेक्टेयर भूमि से 30-40 क्विंटल उपज होती है।

⏩ कश्मीरी मेथी

मेथी की कश्मीरी किस्म की ज्यादातर खूबियां पूसा अर्ली बंचिंग किस्म से मिलती जुलती हैं, लेकिन यह 15 दिन देर से पकने वाली किस्म है, जो ठंड ज्यादा बर्दाश्त कर लेती है। इस के फूल सफेद रंग के होते हैं और फलियों की लंबाई 6-8 सेंटीमीटर होती है। पहाड़ी इलाकों के लिए यह एक अच्छी किस्म है।

⏩ हिसार सुवर्णा

चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा विकसित की गई यह किस्म पत्तियों और बीज दानों दोनों के लिए अच्छी होती है। इसकी औसत उपज 16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। सर्कोस्पोरा पर्ण धब्बा रोग इस में नहीं लगता है। हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के लिए यह काफी उपयुक्त किस्में है। इन किस्मों के अलावा मेथी की उन्नतशील किस्में आरएमटी 1, आरएमटी 143 और 365, हिसार माधवी, हिसार सोनाली और प्रभा भी अच्छी उपज देती हैं।

⏩ मेथी की खेती में सिंचाई और उर्वरक प्रबंधन

हर फसल की तरह मेथी के अच्छी पैदावार के लिए इसकी सिंचाई और उर्वरक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सिंचाई और उर्वरक प्रबंधन के बारे में आइए हम कुछ बेहद आवश्यक जानकारी जाने। सबसे पहले सिंचाई की जानकारी जानते हैं।

⏩ सिंचाई

बीजों के जल्दी अंकुरण के लिए बिजाई से पहले सिंचाई करें। मेथी की उचित पैदावार के लिए बिजाई के 30, 75, 85, 105 दिनों के बाद तीन से चार सिंचाई करें। फली के विकास और बीज के विकास के समय पानी की कमी नहीं होने देनी चाहिए क्योंकि इससे पैदावार में भारी नुकसान होता है।

⏩ खाद एवं उर्वरक

• बिजाई के समय 5 किलो नाइट्रोजन (12 किलो यूरिया), 8 किलो पौटेशियम (50 किलो सुपर फासफेट) प्रति एकड़ में डालें।

• अच्छी वृद्धि के लिए अंकुरन के 15-20 दिनों के बाद ट्राइकोंटानोल हारमोन 20 मि.ली. प्रति 10 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।

• बिजाई के 20 दिनों के बाद एनपीके (19:19: 19) 75 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी की स्प्रे भी अच्छी और तेजी से वृद्धि करने में सहायता करती है।

• अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए ब्रासीनोलाइड 50 मि.ली. प्रति एकड़ 150 लीटर पानी में मिलाकर बिजाई के 40-50 दिनों के बाद स्प्रे करें।

• इसकी दूसरी स्प्रे 10 दिनों के बाद करें। कोहरे से होने वाले हमले से बचाने के लिए थाइयूरिया 150 ग्राम प्रति एकड़ की 150 लीटर पानी में मिलाकर बिजाई के 45 और 65 दिनों के बाद स्प्रे करें।

⏩ खरपतवार नियंत्रण

पहली गुड़ाई बिजाई के 25-30 दिनों के बाद और दूसरी गुड़ाई पहली गुड़ाई के 30 दिनों के बाद करें। नदीनों को रासायनिक तरीके से रोकने के लिए फलूक्लोरालिन 300 ग्राम प्रति एकड़ में डालने की सिफारिश की जाती है इसके इलावा पैंडीमैथालिन 1.3 लीटर प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर बिजाई के 1-2 दिनों के अंदर अंदर मिट्टी में नमी बने रहने पर स्प्रे करें। जब पौधा 4 इंच ऊंचा हो जाए तो उसे बिखरने से बचाने के लिए बांध दें।

⏩ मेथी की खेती में लागत और कमाई

अगर एक बार कटाई के बाद बीज लिया जाए, तो औसत पैदावार करीब 6-8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर मिलती है और 4-5 कटाई की जाए तो यही पैदावार घट कर करीब 1 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रह जाती है।

भाजी या फिर हरी पत्तियों की पैदावार करीब 70-80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक मिलती है। बता दें कि मेथी की पत्तियों को सुखाकर भी बेचा जाता है जिसके 100 रुपए प्रति किलोग्राम तक दाम मिल जाते हैं।

अगर वैज्ञानिक तरीके से मेथी की खेती की जाए, तो एक हेक्टेयर से करीब 2-5 लाख रुपए तक कमाया जा सकता है।

कृषि में टपक सिंचाई पद्धति

कृषि न केवल भारतीयों के जीविकोपार्जन का साधन है, बल्कि बहुत से उद्योग धन्धों एवं व्यापारों का प्रबल साधन भी है। भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा यहां के लोगों के लिए कृषि ही उनकी आर्थिक स्थिति की रीढ़ की हड्डी है। ऐसे कृषि प्रधान देश में कृषि की अच्छी पैदावार के लिए फसलों के अन्य प्रबंधन के साथ ही सही एवं समय से सिंचाई प्रबंधन करना भी नितान्त आवश्यक है। प्रबंधन के अनेक घटकों में एक प्रमुख घटक है, नवीन विकसित दक्ष सिंचाई तकनीकें। इस लेख में कृषि में सिंचाई जल की कुछ दक्ष सिंचाई तकनीकों का संक्षिप्त में वर्णन किया गया है।

आज जो हम कृषि योग्य भूमि पर फसलों को उगाते हैं, उसमें से बहुतायत फसलें हमारे यहां वर्षा आधारित हैं। वर्षा के पानी को हम कृषि कार्यों या फसलों की सिंचाई के लिए लेते हैं, तो उसे वर्षारित खेती या कृषि कहते हैं।

इसके अलावा जो वर्षा का जल विभिन्न माध्यमों से तालाबों, कुओं, नदी, नालों आदि में इकट्ठा हो जाता है, उस जल को भी हम सिंचाई के रूप में प्रयोग करते हैं। जिससे हमें फसलों की अच्छी उपज प्राप्त होती है।

⏩ सिंचाई की योजनाएं

योजना आयोग ने सिंचाई साधनों से सम्बन्धित सभी कार्यक्रमों और योजनाओं को मुख्य रूप से तीन भागों में विभक्त किया है, जो इस प्रकार है, जैसे-

1. बड़ी सिंचाई योजनाएं

2. मध्यम सिंचाई योजनाएं

3. लघु या छोटी सिंचाई योजनाएं

बड़ी सिंचाई योजनाएं- बड़ी सिंचाई योजनाओं के अन्तर्गत उन योजनाओ या कार्यक्रमों को रखा जाता है जो 10,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराती है। जैसे- राजस्थान नहर परियोजना, चम्बल परियोजना, हीराकुण्ड परियोजना, दामोदर और भाखड़ा नांगल परियोजना आदि हैं।

मध्यम सिंचाई योजनाएं- मध्यम सिंचाई परियोजना में वह कृषि योग्य भूमि आती है, जिसका क्षेत्रफल 2000 से 10,000 हेक्टेयर तक होता है। ऐसे सिंचाई सुविधाओं वाले क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की छोटी नहरों का निर्माण किया जाता है।

लघु या छोटी सिंचाई- इस अन्तिम योजना में वह क्षेत्र आता है जो 2000 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल का होता है। ऐसे क्षेत्र में कृषि योग्य परिक्षेत्र के अन्तर्गत हम विभिन्न प्रकार के कुएं ,तालाब, नलकूप व छोटी नहरों आदि का निर्माण करते है।

उपरोक्त परियोजनाओं के माध्यम से बृहद् रूप से कृषि योग्य भूमि को सिंचाई की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती है।

अगर हम सिंचाई के क्षेत्र में सही से समस्त उपलब्ध संसाधनों का सम्पूर्ण प्रयोग करे तो पायेंगे कि हम सिंचाई की सुविधाओं पर आत्म निर्भर हैं। फिर भी उपज हमारी क्यों स्थिर है, क्या कारण है, कि हमारी कृषि या कृषि उपजें घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। विचार-विमर्श के बाद एक बात सामने निकल कर आती है, वो है प्रबंधन। जी हाँ, हमारे पास सिंचाई जल का सही तरीके से प्रबंधन न होने के कारण हम सम्पूर्ण लाभ नहीं उठा पाते हैं।

सम्पूर्ण विश्व के समस्त देशों में उपलब्ध जल की मात्रा और उनकी कृषि कार्य में उपयोगिता पर एक नजर डाले तो पता चलता है, कि भारत में कुल उपलब्ध जल का सर्वाधिक भाग कृषि में प्रयुक्त हो रहा है, जो लगभग 93 प्रतिशत (उपलब्ध कुल जल 1850 घनकिमी) है। थोड़ा विस्तृत रूप से देखें तो पाते है, कि अधिकृत तौर पर ऐसा अनुमान है, कि सिंचाई के लिए स्रोत से निकाले गये कुल जल का 40 से 45 प्रतिशत जल खेत तक पहुंचने से पहले ही नालियों से रिस कर व्यर्थ हो जाता है। केवल 55 से 60 प्रतिशत जल ही सिंचाई के लिए प्रयुक्त हो पाता है।

इतना ही नहीं कृषकों को जानकारी के अभाव में यानि कि फसल की जल मांग या सिंचाई के लिए कितने पानी की आवश्यकता है, आदि की वैज्ञानिक रूप से जानकारी न होने के कारण लगभग 15 प्रतिशत जल खेती में अनावश्यक प्रयोग किया जाता है, यानि की दूसरे शब्दों में कहे तो पता चलता है। इस जल का सही प्रबंधन कर लिया जाये तो भविष्य में अच्छी फसल के उत्पादन के साथ-साथ भूजल का भण्डारण भी कर सकते हैं तथा जल का उचित नियोजन भी कर सकते हैं, जो कि अत्यन्त आवश्यक है।

⏩ सिंचाई के प्रचलित घटक

प्रबंधन के अनेक घटकों में एक प्रमुख घटक है नवीन विकसित सिंचाई तकनीकें सिंचाई की इन नवीन तकनीकों को अपनाकर सिंचाई जल का सही प्रयोग कर कुशल जल प्रबंधन कर सकते है। वर्तमान में प्रचलित कुछ दक्ष सिंचाई तकनीकों का संक्षिप्त में वर्णन इस प्रकार है, जैसे-

1. बौछार सिंचाई पद्धति
2. टपक सिंचाई विधि
3. पाईप विधि
4. गेहूं में फर्ब
5. धान में श्री पद्धति

बौछार सिंचाई पद्धति

यह एक प्रकार की सिंचाई पद्धति है, इसके अन्तर्गत पानी बारिस की बूदों की तरह फसल पर गिरता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है, कि इसमें जमीन के समतल न होने पर भी फसलों को पानी समान रूप से दिया जा सकता है। इसके मुख्य भाग कमश: पम्प, बडी नली या मुख्य नली, मध्यम नली, पानी उठाने वाली नली और पानी छिडकने का फौव्वारा इत्यादि है।

इस विधि से सिंचाई करने पर लगभग 30 से 50 प्रतिशत तक सिंचाई जल की बचत की जा सकती है। ध्यान रहे जब इस विधि से सिंचाई कर रहें हो तो उस समय हवा का बहाव बहुत तेजी से न हो या हवा का बहाव 15 किलोमीटर प्रति घण्टा की दर से अधिक नहीं होना चाहिए।

⏩ टपक सिंचाई पद्धति

यह विधि सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ बहुत अच्छी विधि भी है। क्योंकि इसमें पानी सीधे पौधों की जड़ों पर जाता है, जिसका समुचित प्रयोग पौधों द्वारा कर लिया जाता है। इसका विकास इजराइल में सन 1940 ई. में हुआ था। आजकल इस विधि से गन्ना, कपास, टमाटर, मक्का, अमरूद, नारियल, नीबू, अंगूर आदि फसलों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात और राजस्थान इत्यादि राज्यों में अपनाया जा रहा है। इस पद्धति में लगभग 35 से 40 प्रतिशत सिंचाई जल की बचत की जा सकती है।

⏩ पाईप सिस्टम

विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा बौछार टपक बूंद और पाईप सिस्टम पर किसानों को अनुदान स्वरूप सुविधाएं प्रदान करायी जाती हैं, जिससे उंची नीची भूमि पर भी आसानी से सिंचाई की जा सकती है।